संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 17
पृष्ठ 8
गुरूवार
02 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बिना वजह आवाज भारी लगना....

विचार- रक्षा और पशुकल्याण साथ चलें ...

खेल- बसपा के पूर्व विधायक और ...

संघ ने देश के सामने आने वाली हर चुनौतियों का डटकर सामना किया : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपनी प्राथमिकताओं को राष्ट्र की प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करते हुए हर युग में देश के सामने आने वाली बड़ी चुनौतियों का डटकर सामना किया है। श्री मोदी ने बुधवार को यहां आरएसएस के शताब्दी समारोह में कहा कि गुरुवार को विजयादशमी का महापर्व है जो भारतीय संस्कृति के शाश्वत उद्घोष का प्रतीक है। ऐसे ही पावन अवसर पर शताब्दी वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना कोई संयोग नहीं है। उन्होंने कहा कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही एक प्राचीन परंपरा का पुनरुद्धार है जिसमें राष्ट्रीय चेतना प्रत्येक युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए रूपों में प्रकट होती है। उन्होंने इस उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया है। 100 रुपये के इस सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न और दूसरी ओर स्वयंसेवकों द्वारा सलामी दिए जा रहे सिंह के साथ वरद मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि अंकित है। श्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में संभवतः यह पहली बार है जब भारत माता की छवि भारतीय मुद्रा पर दिखाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि 1963 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने देशभक्ति की धुनों पर ताल से ताल मिलाते हुए बड़े गर्व के साथ परेड में भाग लिया था। उन्होंने कहा कि यह डाक टिकट उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति को समेटे हुए है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार महान नदियाँ अपने तटों पर मानव सभ्यताओं का पोषण करती है उसी प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी असंख्य जीवन को पोषित और समृद्ध किया है। एक नदी जो अपने माध्यम से बहने वाली भूमि, गाँवों और क्षेत्रों को आशीर्वाद देती है इसी प्रकार संघ ने भारतीय समाज के हर क्षेत्र और राष्ट्र के हर क्षेत्र को छुआ है। श्री मोदी ने कहा कि संघ के अनेक धाराओं में विस्तार के बावजूद उनमें कभी विभाजन नहीं हुआ। श्री मोदी ने कहा, अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक महान उद्देश्य – राष्ट्र निर्माण – को अपनाया है। उन्होंने कहा कि संघ अपनी स्थापना के समय से ही देशभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि विभाजन के कष्टदायक दौर में जब लाखों परिवार विस्थापित हुए थे, स्वयंसेवक सीमित संसाधनों के बावजूद शरणार्थियों की सेवा में सबसे आगे खड़े रहे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह केवल राहत कार्य नहीं था, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को मज़बूत करने का कार्य था। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में भी पंजाब में बाढ़, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आई आपदाओं और केरल के वायनाड में हुई त्रासदी जैसी आपदाओं में स्वयंसेवक सबसे पहले राहत पहुंचाने वालों में से हैं। उन्होंने कहा कि कोविड–19 महामारी के दौरान पूरी दुनिया ने संघ के साहस और सेवा भावना को प्रत्यक्ष रूप से देखा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जाति–आधारित भेदभाव जैसी गहरी जड़ें जमाए बैठी सामाजिक बुराइयाँ लंबे समय से हिंदू समाज के लिए एक गंभीर चुनौती रही हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. हेडगेवार से लेकर आज तक संघ के प्रत्येक सरसंघचालक ने भेदभाव और छुआछूत के विरुद्ध लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरसंघचालक मोहन भागवत ने समाज के सामने सामाजिक समरसता का एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है जिसमें एक कुआँ, एक मंदिर और एक मशान की बात कही गयी है। उन्होंने कहा कि संघ ने इस संदेश को देश के कोने–कोने तक पहुँचाया है और भेदभाव, विभाजन और कलह से मुक्त समाज का निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि यही समरसता और समावेशी समाज के संकल्प का आधार है, जिसे संघ नए जोश के साथ मज़बूत करता रहता है। श्री मोदी ने कहा कि एक सदी पहले जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी, उस समय की जरूरतें और संघर्ष अलग थे। भारत सदियों पुरानी राजनीतिक पराधीनता से मुक्ति पाने और अपने सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रयासरत था। उन्होंने कहा कि आज जब भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है तो चुनौतियाँ भी बदल गई हैं। आबादी का एक बड़ा हिस्सा गरीबी से उबर रहा है, नए क्षेत्र युवाओं के लिए अवसर पैदा कर रहे हैं और भारत कूटनीति से लेकर जलवायु नीतियों तक वैश्विक स्तर पर अपनी आवाज बुलंद कर रहा है।

शुभकामना

दशहरा के शुभ अवसर पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

-सम्पादक

सूचना

दशहरा के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 4 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

राहुल गांधी और उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य नसीम खान ने मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और गांधी परिवार के अन्य सदस्यों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे एक पत्र में खान ने कहा कि भाजपा प्रवक्ता प्रिंटो महादेवन ने कथित तौर पर राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दी थी,जोकि बेहद गंभीर और चिंताजनक बात है। कांग्रेस नेता ने महादेवन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

बेटियों के पांव पखार सीएम योगी ने की मातृ शक्तिकी आराधना

गोरखपुर, संवाददाता। मातृ शक्ति के प्रति अगाध श्रद्धा व सम्मान गोरक्षपीठ की परंपरा है। मुख्यमंत्री बनने के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने नारी सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान की अनेक योजनाओं से इस परंपरा का व्यावहारिक धरातल पर विस्तार किया है। मातृ शक्ति के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करते हुए सीएम योगी ने बुधवार को शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि पर गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुरूप कन्या पूजन किया। गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया। बता दें कि बुधवार को मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के अन्न क्षेत्र के प्रथम तल स्थित भोजन कक्ष में पीतल के परात में जल से नौ नन्ही बालिकाओं के बारी–बारी पांव धोये। दुर्गा सप्तशती के मंत्रोच्चार के बीच उनके माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत आदि का तिलक लगाया। पुष्प और दुर्वा से उनका अभिषेक किया। माला पहनाकर, चुनरी ओढ़ाकर, उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने एक छह माह की बच्ची के भी पांव पखारे और पूजन कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने हनुमानजी के वेश में आए एक बालक को भी तिलक लगाया और माला पहनाकर अंगवस्त्र ओढ़ाया। पूजन के बाद कन्याओं और बटुकों को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद सीएम योगी ने अपने हाथों से परोसा। नौ कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंची बालिकाओं और बटुकों का भी मुख्यमंत्री ने पूजन कर आरती उतारी। सभी को श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया। मुख्यमंत्री का प्यार–दुलार पाने के लिए नन्हीं बालिकाओं व बटुकों की आतुरता देखते ही बन रही थी। सत्कार और स्नेह के भाव से मुख्यमंत्री ने एक–एक कर नौ कन्याओं व बटुक भैरव के पांव पखारे और पूजन किया। इस दौरान सीएम योगी के हाथों दक्षिणा मिलने से ये बालिकाएं काफी प्रफुल्लित दिखीं। पूजन के बाद कन्याओं व बटुकों को स्वयं अपने हाथों से भोजन परोसते समय सीएम निरंतर संवाद भी करते रहे। यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी बालक–बालिका की थाली में प्रसाद की कोई कमी न रहे।

निर्माणाधीन इमारत गिरने से 9 मजदूरों की मौत

चेन्नई, एजेंसी। एन्नोर स्थित नॉर्थ चेन्नई थर्मल पावर स्टेशन के निर्माण स्थल पर मंगलवार को हुए एक बड़े हादसे में नौ मज़दूरों की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, निर्माणाधीन एक मेहराब लगभग 30 फीट नीचे गिर गया, जिससे कई प्रवासी मज़दूर दब गए। एक मज़दूर गंभीर रूप से घायल हुआ है, जबकि दस से ज़्यादा गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को नॉर्थ चेन्नई के स्टेनली सरकारी अस्पताल ले जाया गया। तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के सचिव और तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. जे. राधाकृष्णन घायल मज़दूरों से मिलने और स्थिति का आकलन करने के लिए स्टेनली सरकारी अस्पताल गए।

ट्रक में लगी भीषण आग, एक सौ से ज्यादा बकरे-बकरियां जिंदा जले

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के बलीपुर सब्जी मंडी के एक ट्रक में आग लग गई। जिससे एक सौ से अधिक बकरे–बकरियों की जलकर मौत हो गई। समय रहते 200 से अधिक जानवरों को बचा लिया गया। उतरांव थाना क्षेत्र के बलीपुर सब्जी मंडी के एक ट्रक में आग लग गई। जिससे एक सौ से अधिक बकरे–बकरियों की जलकर मौत हो गई। समय रहते 200 से अधिक जानवरों को बचा लिया गया। हादसे में ट्रक पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गा।

आग का कारण इंजन में आई तकनीकि खराबी को बताया जा रहा है। कानपुर से कोलकाता के लिए लगभग 346 बकरे–बकरियां लादकर ट्रक चालक राजधनी जैसे ही प्रयागराज की उतरांव थाना क्षेत्र के बलीपुर नेशनल हाईवे सब्जी मंडी के पास पहुंचा था कि अचानक ट्रक के इंजन में आग लग गई। देखते ही देखते आग विकराल रूप ले लिया। ट्रक में डबल फ्लोर में बकरा और बकरी लादे गए थे। आग लगने के बाद चालक राजधनी ने कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना पर 112 नंबर की पुलिस में नियुक्त कांस्टेबल गिरिजेश और होमगार्ड सुरेश कुमार कुशवाहा पहुंच गए। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन आग भयावह होती चली गई।

सिपाही गिरिजेश और होमगार्ड सुरेश ने अपनी जान पर खेल कर आग का गोला बने ट्रक से 200 से ज्यादा बकरों को बाहर निकाल दिया। सूचना पर उतरांव थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने बताया कि फायर ब्रिगेड को तुरंत घटना की जानकारी दी गई थी, लेकिन एक घंटे बाद भी दमकल की गाड़ी नहीं पहुंची। जिससे 100 से ज्यादा की संख्या में बकरियां व बकरे जिंदा जल गए। फायर ब्रिगेड की गाड़ी समय से आती तो यह संख्या और कम सकती थी। ट्रक चालक राजधनी जो जौनपुर का निवासी है।

दृष्टि मिश्रा बनीं कोरांव की तहसीलदार, निपटाए मामले

प्रयागराज। तहसीलदार कोरांव विनय कुमार बरनवाल ने गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज कोरांव की छात्रा दृष्टि मिश्रा पुत्री अनूप मिश्रा को एक दिन का तहसीलदार बनाया। दृष्टि मिश्रा ने तहसीलदार का कार्यभार संभालने के बाद अधिकारियों की तरह कई मामलों की सुनवाई की और उनका निस्तारण किया। तहसीलदार बनने के बाद दृष्टि के सामने गजाधरपुर गांव का एक मामला आया जिसे उन्होंने निस्तारित किया।

दृष्टि मिश्रा ने बताया कि वह जज बनना चाहती हैं। दृष्टि मिश्रा के बड़े पिता प्रभात मिश्रा, पिता एडवोकेट अनूप मिश्रा, माता ममता मिश्रा ने तहसीलदार कोरांव का आभार व्यक्त किया। दृष्टि के इस कार्यशैली को देखकर मौजूद अधिवक्ताओं ने खूब सराहना की। वहीं, तहसीलदार विनय कुमार बरनवाल ने कहा की लगन और मेहनत के बल पर वह एक दिन मुकाम तक जरूर पहुंचेंगी।

श्रद्धालुओं ने महागौरी की पूजा कर की सुख-समृद्धि की कामना

प्रयागराज। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर आठवें दिन मां दुर्गा के महागौरी स्वरूप की क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा–अर्चना की। अष्टमी तिथि को देवी महागौरी की आराधना कर सुख–समृद्धि की कामना की। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर मां की आराधना की और कन्या पूजन कर पुण्यलाभ प्राप्त किया। वहीं, जिले भर के पंडालों में मैया की जयकार लगाई जा रही है। लोग भक्ति के रंग में रगे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां महागौरी की पूजा से जीवन के समस्त दुख दूर होते हैं और भक्तों को सुख–समृद्धि की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि मां महागौरी का रूप शांति, करुणा और कोमलता का प्रतीक है। उनके श्वेत वस्त्र और उज्ज्वल आभा को पवित्रता और आध्यात्मिक उत्थान का प्रतीक माना जाता है। विभिन्न मंदिरों में विशेष सजावट की गई थी। देवी के दरबार को पुष्पमालाओं और झालरों से सजाया गया। भक्तों ने मां को दूध, नारियल, श्वेत वस्त्र और शृंगार सामग्री अर्पित कर आशीर्वाद की कामना की। कई स्थानों पर धार्मिक झांकियां और भजन–संध्या का भी आयोजन हुआ।

बच्चों में विवाद के बाद दुर्गा पूजा पंडाल पर ढेला फेंकने से सांप्रदायिक तनाव

प्रयागराज। दो बच्चों में आपसी विवाद के बाद एक पक्ष की ओर से दुर्गा पूजा पंडाल पर मिट्टी के ढेले फेंकने के बाद माहौल गरमा गया। दोनों पक्षों के अलग–अलग समुदाय से जुड़े होने के कारण क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। सूचना पर पहुंची पुलिस फोर्स ने आठ नाबालिग आरोपियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद मामला शांत हुआ। मेजा के कोटहा गांव में सुनील कुमार ने अपने घर के पास मां दुर्गा का पंडाल सजाया है। सोमवार रात पूजा–अर्चना के बाद अचानक पंडाल पर मिट्टी के ढेले गिरने लगे। इससे मौके पर अफरातफरी मच गई। भाजपा मंडल मेजा अध्यक्ष शैलेश पांडेय ने इसकी जानकारी पुलिस अधिकारियों को दी। इसके बाद एसीपी मेजा संत प्रसाद उपाध्याय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि दो बच्चों के विवाद के चलते यह मामला हुआ। एक बच्चा मां दुर्गा के पंडाल में छिप गया था। इसके बाद दूसरे बच्चे ने पंडाल में मिट्टी का ढेला फेंकना शुरू कर दिया। पंडाल पर फेंके गए मिट्टी के ढेलों से गांव में दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। मामले में आठ लोगों को थाने लाया गया है, जो नाबालिग हैं। घटना के बाद हिंदू संगठनों ने आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी यमुनापार विवेक चंद्र यादव ने भी मौका मुआयना किया है। उन्होंने बताया कि एहतियातन गांव में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

रेलवे अस्पताल में संतुलित आहार के बारे में दी जानकारी

प्रायगराज। रेलवे अस्पताल में मंगलवार को स्वस्थ नारी स्वस्थ परिवार अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ आहार विशेषज्ञ अर्पणा सक्सेना ने बताया कि किस प्रकार हम खाने पीने की मिथ्य अवधारणाओं की बजाय उचित आदतों से हम स्वस्थ रह सकते है। चिकित्सा निदेशक डॉ संजीव कुमार हांडू ने बताया कि संतुलित आहार शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होता है।

नैनी सेंट्रल जेल में बंद माफिया अतीक अहमद के बेटे अली को भेजा गया झांसी जिला जेल

प्रयागराज। केंद्रीय कारागार के हाई सिक्योरिटी सेल में बंद माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को बुधवार को सुबह नैनी से झांसी जिला जेल के लिए रवाना कर दिया गया। डीआईजी जेल के निरीक्षण में उसके बैरक से नकदी मिली थी। इसके बाद से ही जेल स्थानांतरण की कवायद चल रही थी। अली पर पांच करोड़ रुपये रंगदारी मांगने का आरोप है। उसका नाम उमेश पाल हत्याकांड में भी आया है।

माफिया अतीक अहमद के बेटे मोहम्मद अली को केंद्रीय कारागार नैनी से झांसी जिला जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। इस संबंध में शासनादेश देर रात नैनी जेल में पहुंचा था। बुधवार को सुबह करीब साढ़े सात बजे भारी सुरक्षा बल की मौजूदगी में अली अहमद को लेकर जिला जेल झांसी के लिए रवाना कर दिया गया।

माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद ने पांच करोड़ की रंगदारी मामले में 30 जुलाई 2022 को कोर्ट में सरेंडर किया था। उस पर प्रॉपर्टी डीलर जीशान उर्फ जानू से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप है। लंबे समय तक फरार रहने के बाद उसने कोर्ट में सरेंडर किया था। इसके बाद ही उसे नैनी सेंट्रल जेल भेजा गया था। उमेश पाल हत्याकांड के बाद उसे हाई सिक्योरिटी बैरक से हाई सिक्योरिटी सेल के आठ बाई दस के कमरे में शिफ्ट कर दिया गया था। साथ ही उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए चार सीसीटीवी कैमरे और तीन शिफ्ट में दो–दो सिपाहियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

डीआईजी जेल के निरीक्षण में बैरक से बरामद हुई थी नकदी

17 जून 2025 को अली की बैरक से कैश बरामद हुए थे। जेल प्रशासन के अनुसार उसके पास से 1100 रुपये नकद मिले थे। डीआईजी जेल राजेश कुमार श्रीवास्तव ने उसकी बैरक में छापेमारी कर पैसा बरामद किया था। मामले में एक डिप्टी जिला और एक हेड वार्डन को निलंबित करते हुए उसके सेल की सुरक्षा व्यवस्था पर निगरानी बढ़ा दी गई। इसी के बाद से उसे नैनी जेल से हटाने की कवायत चल रही थी।

उत्तर प्रदेश के डीजी जेल (महानिदेशक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं) पीसी मीणा ने जुलाई 2025 में कार्यभार संभाला था। कार्यभार संभालने के बाद वह नैनी केंद्रीय कारागार व जिला जेल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अली के बैरेक को भी देखा था और उससे बातचीत की थी। बातचीत के दौरान अली ने डीजी जेल से खुद को हाई सिक्योरिटी सेल से हटकर अन्य बंदियों के साथ रखने की मांग की थी।

गवाहों के बगैर पंजीकृत वसीयत संदेहास्पद और मालिकाना हक का दावा बेदम

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि गवाहों के अभाव में पंजीकृत वसीयत संदेहास्पद होती है। इसे सही साबित करने के लिए कानूनन कम से कम एक गवाह पेश किया जाना अनिवार्य है। अन्यथा केवल पंजीकृत वसीयत के दम पर संपत्ति के मालिकाना हक का दावा बेदम है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकलपीठ ने गाजियाबाद निवासी खुबी राम की अपील खारिज कर ट्रायल कोर्ट के आदेश पर मुहर लगा दी। याची ने दावा किया था कि उनके पिता रामस्वरूप ने 20 जनवरी 2011 को उनकी सेवाभाव से प्रसन्न होकर उनके पक्ष में पंजीकृत वसीयत लिखी थी।

पिता के निधन के बाद उन्होंने संपत्ति पर हक जताया लेकिन भाइयों ने इसका विरोध किया। ट्रायल कोर्ट ने जनवरी 2024 में दावा खारिज कर दिया। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने भी अपील खारिज कर कहा कि सिर्फ पंजीकृत वसीयत ही किसी को संपत्ति का मालिक नहीं बना सकती। कानून के मुताबिक वसीयत ऐसा दस्तावेज है जिसकी प्रामाणिकता बिना गवाहों की संदेहास्पद रहती है।

वसीयत को साबित करने का भार वादी पर होता है। मौजूदा मामले में वादी वसीयत को कानून के मुताबिक साबित करने में विफल रहा है।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा–68 के मुताबिक वसीयत को सिद्ध करने के लिए उसका कम से कम एक गवाह अदालत में पेश होना चाहिए। यदि गवाह मौजूद होते हुए भी अदालत में नहीं आता तो पंजीकृत वसीयत भी अधूरी ही नहीं, संदेहास्पद भी है। –इलाहाबाद हाईकोर्ट

साबित करने के लिए कानूनन कम से कम एक गवाह पेश किया जाना अनिवार्य है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि गवाहों के अभाव में पंजीकृत वसीयत संदेहास्पद होती है।

पंचायत की 80 लंबित जांच में 23 अफसरों को नोटिस

प्रयागराज। पंचायतों की 80 जांच में लापरवाही कर रहे जिले के 23 अफसरों को डीएम मनीष कुमार वर्मा ने नोटिस देकर तीन दिन में आख्या देने का निर्देश दिया है। जांच आख्या न आने पर सभी को दोषी मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिले में पंचायतों की शिकायतें लगातार आ रही हैं। पिछले कुछ दिनों में आई शिकायतों को देखा जाए तो इस वक्त 101 मामले ऐसे हैं, जिनकी जांच के लिए जिला स्तरीय अफसरों को निर्देश दिया गया है। इसमें मुख्य रूप से प्रधान के खिलाफ शिकायतें हैं, जिसमें गोशाला में लापरवाही, गोवंशों की देखभाल में लापरवाही, गोपालकों की तैनाती न होना, मनरेगा में मजदूरी न देना, आवास और शौचालय में लापरवाही, जीवित लोगों को पेंशन योजना में मृत घोषित कर देने जैसे तमाम मामले हैं। इन प्रकरणों को लेकर लगातार आई शिकायतों पर डीएम ने अफसरों को जांच के लिए निर्देश दिया था। कुछेक प्रकरणों में जांच रिपोर्ट आ गई है, जबकि 80 मामलों में अब तक रिपोर्ट जिला स्तरीय अफसरों ने सौंपी नहीं है। मंगलवार को डीएम ने डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी से जांच की अद्यतन रिपोर्ट के बारे में जानकारी मांगी तो उन्होंने लंबित जांच की संख्या बताई। जिसके बाद डीएम ने सभी को नोटिस देकर तीन दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा। जिसमें कहा गया है कि जांच में जो भी तथ्य आया है, उसकी वास्तविक रिपोर्ट से अवगत कराएं, ऐसा न होने की दशा में माना जाएगा कि वो जांच में लापरवाही कर रहे हैं, ऐसे में जांच अफसरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा।

मरीजों के लिए स्ट्रेचर नहीं, ढोया जा रहा सामान

प्रयागराज। मंडल के सबसे बड़े अस्पताल में जहां एक तरफ मरीजों को जरूरत पर स्ट्रेचर पर नहीं मिल पा रहा है वहीं स्ट्रेचर भारी भरकम सामान ढोया जा रहा है। मरीज को लाने व ले जाने वाले स्ट्रेचर पर भारी सामान लाने व ले जाने से पहिया टूट जा रही है। स्टैंड पर इस 15 स्ट्रेचर बिना पहिया वाले रखे हुए हैं जिसकी मरम्मत होनी है। स्टैंड के कर्मचारियों के अनुसार अस्पताल में सामान और दवाओं को ढोने के लिए अलग से ट्राली उपलब्ध है, लेकिन कर्मचारी उसका उपयोग नहीं करते हैं। सामान्य तौर पर एक स्ट्रेचर पर 60 से 70 किग्रा वजन से ही रखकर ही ले जा सकते हैं। अस्पताल की सड़क खराब होने के कारण स्ट्रेचर पर एक से दो क्विंतल तक की सामग्री लोग रखकर लाते व ले जाते हैं।

बालिग होते ही पति को देना पड़ेगा गुजारा भत्ता, हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर लगाई मुहर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि नाबालिग पति के खिलाफ भरण–पोषण के तहत आवेदन दाखिल किया जा सकता है। हालांकि, भरण पोषण की जिम्मेदारी बालिग होने के बाद ही शुरू होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि नाबालिग पति के खिलाफ भरण–पोषण के तहत आवेदन दाखिल किया जा सकता है। हालांकि, भरण पोषण की जिम्मेदारी बालिग होने के बाद ही शुरू होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकल पीठ ने अभिषेक सिंह यादव की पुनरीक्षण अर्जी पर दिया है।

बरेली निवासी अभिषेक के खिलाफ पत्नी ने परिवार न्यायालय में वाद दाखिल कर नाबालिग बेटी व स्वयं के लिए भरण पोषण की मांग की। न्यायालय ने पत्नी के लिए 5,000 रुपये और बेटी को 4,000 रुपये प्रति माह भुगतान को लेकर याचिका दाखिल करने की तारीख 10 फरवरी 2019 से करने का आदेश दिया था। इस आदेश को अभिषेक ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

अधिवक्ता एसएम इकबाल हसन ने दलील दी कि याची की उम्र एक जनवरी 2003 है। ऐसे में पत्नी की ओर से भरण पोषण के लिए आवेदन दाखिल करते समय 10 फरवरी 2019 को याची की उम्र लगभग 16 वर्ष थी। इसलिए नाबालिग होने के कारण उसके खिलाफ भरण पोषण का मामला पोषणीय नहीं था।

हाईकोर्ट ने कहा, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा–125 में कोई भी ऐसा प्रावधान नहीं है जो किसी नाबालिग पति के खिलाफ भरण पोषण आवेदन दाखिल करने से रोकता हो। भरण–पोषण के लिए आवेदन दाखिल करते वक्त वह नाबालिग था लेकिन जब ट्रायल कोर्ट ने 22 नवंबर 2023 को आदेश दिया तो वह बालिग हो चुका था। ऐसे में वह भरण पोषण के लिए जिम्मेदार है।

हालांकि, कोर्ट ने नाबालिग पति की वित्तीय जिम्मेदारी पर विचार किया। कोर्ट ने माना कि याची एक जनवरी 2021 को बालिग हुआ था। इसलिए उस तारीख से वह भरण पोषण के लिए कानूनी रूप से बाध्य होगा। हालांकि, कोर्ट ने पति की कोई आय नहीं होने के आधार पर भरण पोषण के आदेश को संशोधित कर दिया। इसके तहत पत्नी को 2500 रुपये और बेटी को 2000 रुपये भरण पोषण देने का आदेश दिया।

चरागाह की भूमि पर बने 11 मकानों पर चला बुलडोजर, बिलख पड़ा परिवार

प्रयागराज। बसनेहटा गांव में चरागाह की भूमि पर बने पक्के मकान, खपरैल और छप्पर समेत कुल 11 घरों पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाया है।उच्च न्यायालय के आदेश पर एसडीएम हंडिया द्वारा मंगलवार को की गई इस कार्रवाई से महिलाएं बिलख पड़ीं। महिलाओं का कहना है कि सिर से छत छीन गई। अब कैसे जिंदगी गुजरेगी। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के बसनेहटा गांव हंडिया तहसील क्षेत्र में है। यहां चरागाह की भूमि पर गांव के ही आधा दर्जन से अधिक लोग पक्का मकान, खपरैल और छप्पर रखकर रहते थे। गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा चरागाह की भूमि पर बने अवैध निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री, एसडीएम, जिलाधिकारी से शिकायत की गई लेकिन कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने उच्च न्यायालय की शरण ली। उच्च न्यायालय के आदेश पर एसडीएम हंडिया ने मंगलवार को मकान के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। तहसीलदार रवि सिंह के नेतृत्व में पहुंचे नायब तहसीलदार राहुल सिंह, राजस्व निरीक्षक ईश्वर चंद, राजेंद्र सोनकर, लेखपाल अशर्फीलाल व महेंद्र सरोज की राजस्व टीम ने बसनेहटा गांव निवासी शोभनाथ के तीन पक्के मकान, जंग बहादुर का एक खपरैल, टिनशेड व छप्पर समेत कुल पांच कमरे व राजकुमार का छप्पर और राजबहादुर के खपरैल और छप्पर समेत कुल 11 घरों पर बुलडोजर चलवाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। बुलडोजर की कार्रवाई और महिलाओं की एक पुकार सुनकर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

पांच थाने की फोर्स, पीएसी के जवानों से छावनी बना गांव

क्षेत्र के बसनेहटा गांव में चरागाह की भूमि से हटाए जा रहे अवैध निर्माण की कार्रवाई के लिए राजस्व टीम के साथ ही डेढ़ प्लाटून, फूलपुर, उतरांव, हंडिया, बहरिया व सराय ममरेज समेत कुल पांच थानों की फोर्स और फायर ब्रिगेड की गाड़ी जब गांव में बुलडोजर के साथ पहुंची तो खलबली मच गई।

मुजफ्फरनगर गुड़ मंडी में नई आवक शुरू

मुजफ्फरनगर। गुड़ की नगरी मुजफ्फरनगर (उ. प्र.) की कृषि उत्पादन मंडी स्थल पर आज से नई आवक शुरू हो गई। नई खेप आने से मंडी में रौनक लौट आई है। व्यापारियों, किसानों और मजदूरों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है। नई आवक के साथ ही गुड़ की खरीद–फरोख्त भी तेज हो गई है। व्यापारी संजय मिश्रा

ने 1862चाकु गुड़ व लड्डू 1801की खरीद कर किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलने की उम्मीद है, वहीं व्यापारियों और मजदूरों को भी काम मिलने से प्रसन्नता है। मुजफ्फरनगर की मंडी पूरे प्रदेश में अपनी उच्च गुणवत्ता वाले गुड़ के लिए प्रसिद्ध है और नई आवक से मंडी क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

अंतर महाविद्यालय महिला एवं पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय में वर्ष 2025 की अंतर महाविद्यालय महिला एवं पुरुष कबड्डी प्रतियोगिताएं अत्यंत उत्साह, गरिमा और खेल भावना के साथ संपन्न हुईं। विश्वविद्यालय के विभिन्न संबद्ध महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने कौशल और समर्पण का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रुप में कुलसचिव प्रोफेसर डॉ. विनीता यादव, क्रीड़ा सचिव प्रोफेसर डॉ. भास्कर शुक्ला, डॉ.

सीमा सिंह, राम प्रसाद, आयोजन सचिव शिवाकांत मिश्रा, राजू पाल, प्रशांत कुमार, धर्मेंद्र यादव, संतोष सिंह, राघवेंद्र राय आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक के रूप में जय राम, प्रियम त्रिपाठी, तथा स्वधा द्विवेदी ने निष्पक्षता और अनुभव उपस्थित रहे। वहीं रेफरी के रूप में हिमांशु द्विवेदी, सर्वेश, तथा शची ने कुशल संचालन सुनिश्चित किया। महिला वर्ग में बाबू बसंत लाल महाविद्यालय, हडिया प्रयागराज की टीम ने विजेता का एवं राजकीय महिला महाविद्यालय सांगीपुर उपजेता का खिताब प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में पी. बी. पी. जी. कॉलेज, प्रतापगढ़ विजेता रहा।उपविजेता टीम प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय की रही।सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को कुलपति महोदय द्वारा मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभा को मंच देने वाला रहा, बल्कि विश्वविद्यालय की खेल संस्कृति को भी नई ऊंचाई प्रदान करने में सफल रहा।

एनसीसी स्टाफ व कैडेट्स ने किया रक्तदान

मुजफ्फरनगर। 82 यूपी बटालियन एनसीसी मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में राजकीय इंटर कॉलेज में एनसीसी स्टाफ व कैडेट्स ने रक्तदान किया।इस अवसर पर लगभग 17 यूनिट रक्तदान किया गया। बुधवार को राजकीय इंटर कॉलेज में कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रवीण भाल जी के कुशल मार्गदर्शन में एवं एडम ऑफिसर कर्नल नवीन पाराशर जी के दिशा–निर्देशन में विभिन्न स्कूल– कालेजों के कैडेट्स एवं एनसीसी स्टाफ ने

रक्तदान किया। रक्तदान सबसे पुण्य का कार्य है। रक्तदान से बड़ा कोई दूसरा दान नहीं है। रक्तदान से रक्तदाता तथा रक्तग्राही दोनों को संतुष्टि मिलती है।

रक्तदान से हम किसी के जीवन को बचा सकते हैं इसलिए हमें रक्तदान के प्रति स्वयं भी जागरूक होना है और दूसरों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना है। इसमें एनसीसी के युवा कैडेट्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और समय–समय पर रक्तदान शिवरों में प्रतिभा कर रक्तदान करते हैं।रक्तदान एक जीवनदायिनी पहल है जो न केवल एक व्यक्ति की जान बचा सकता है, बल्कि समाज में मानवता और सेवा की भावना को भी बढ़ावा देता है। रक्तदान करने से हम न केवल किसी की जिंदगी बचा सकते हैं, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। रक्तदान से समाज में मानवता और सेवा की भावना को भी बढ़ावा मिलता है।

इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स को शपथ भी दिलाई गई कि हमें नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।आइए, हम सब रक्तदान करने का संकल्प लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

रजवाहे में पानी ना आने से किसानों की सूख रही फसलें, किसानों पर टूट रहा संकट का पहाड़

मुजफ्फरनगर। देवबंद क्षेत्र के गांव बास्तम से निकलकर रजवाहा रसूलपुर, जड़ौदा, रोहना कला, रोहाना खुर्द, बडकली, जट नगला से होते हुए दीदाहेडी गांव तक पहुंचता है। जिससे रजवाहे में पानी न आने के कारण किसानों की फसल सूख रही है। रोहाना कला के किसान नित्यानंद त्यागी, नीरज त्यागी, ओमकार त्यागी, ने बताया कि पिछले काफी दिनों से रजवाहे में पानी न आने के कारण फसले सुख रही है जिस कारण किसानों पर संकट का पहाड़ टूटता नजर आ रहा है। उन्होंने कहा है कि अगर रजवाहे में जल्द से जल्द पानी न आया तो किसानों की हजारों बीघा फसल खराब हो जाएगी। और किसान बर्बाद हो जाएगा। किसानों ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से मांग करते हुए कहा है कि किसानों की समस्याओं को देखते हुए सिंचाई विभाग जल्द से जल्द बस्तम रजवाहे में पानी की व्यवस्था कराई जाये। अन्यथा पानी न आने से किसान सूखे की ओर पहुंच जाएगा जिसमें समस्त जिम्मेदारी स्वयं शासन–प्रशासन की होगी।

बीएसएनएल का पच्चीसवां स्थापना दिवस मनाया गया

मिर्जापुर। 1 अक्टूबर को ठैछर- का 25वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपमहाप्रबंधक मिर्जापुर श्री पी सी रावत के मार्गदर्शन में ठैछर- के अधिकारियों व कर्मचारियों ने रोड शो का आयोजन किया। एक पेड़ ठैछर- के नाम श्लोगन के तहत ठैछर- कार्यालय और कालोनी के प्रांगण में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पौधारोपण किया।

इस संदर्भ में 27 नवंबर को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने ठैछर- के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया था और ठैछर- की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दिया था। इस उद्घाटन में मिर्जापुर प्रचालन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दो जिलों मिर्जापुर और सोनभद्र में सुदूर क्षेत्रों में लगे 98 फोर जी टावर शामिल थे।

मिर्जापुर के 9 टावर लेढुकी, बढ़ौना, मटिहरा, बबुरा रघुनाथ सिंह, पिडरिया, ददरी गहरा, खमवा जयंती, छातो और सरसों में लगे हैं। बाकी 89 टावर सोनभद्र जिले के थे।

दिनांक 27.09.2025 को ही माननीय संचार मंत्री ने कहा था कि जल्द ही ठैछर- स्वदेशी

5ळ भी ले कर आएगा । ठैछर- मिर्जापुर ने भारत संचार निगम लिमिटेड के 25 वर्ष पूर्ण होने पर उप महाप्रबंधक कार्यालय अनगढ़ में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, पौधारोपण तथा रोड शो करके धूमधाम से मनाया। विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम उप महाप्रबंधक पी सी रावत के संबोधन से शुरू हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बीएसएनएल ने सेवा के गौरवपूर्ण 25 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं और आगे भी जन जन तक संचार व्यवस्था पहुंचाने के लिए कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन उप मंडल अधिकारी सुभाष वर्मा तथा अवर दूर संचार अधिकारी आनंद प्रजापति ने संयुक्त रूप से किया।

इस कार्यक्रम में अमृतेश कुमार , वी पी राय, इंद्रकुमार विश्वकर्मा शील रत्न कश्यप, अरुणेश, विपिन सिंह, सत्येंद्र सिंह, नागेंद्र सिंह, विनय श्रीवास्तव, अरविंद सिंह, मनीष जायसवाल, राजेश सोनकर , सुनील चौधरी, रमेश पाठक , सिद्धार्थ तिवारी आदि अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपना वक्तव्य दिया।

मंत्री नन्दी ने शक्ति स्वरूपा कन्याओं का सपरिवार किया पूजन

परात में पखारे पांव, चरण स्पर्श कर लिया आशीर्वाद

हवन कुण्ड में आहुति डाल भगवती मां दुर्गा की आराधना की

बेटियां देश व समाज की सुख, समृद्धि और तरक्की का आधार हैं: नन्दी

प्रयागराज। शारदीय नवरात्रि की महानवमी पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी एवं प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने अपने बहादुरगंज स्थित आवास पर आदि शक्ति मां दुर्गा का नौ दिनों का अखंड व्रत संकल्प पूरा कर सपरिवार मां दुर्गा की स्तुति के साथ ही हवन–पूजन किया। शक्ति स्वरूपा कन्याओं का पूजन करते हुए उनके पांव पखारे और भोजन प्रसाद खिलाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्री नंदी और पूर्व महापौर ने पीतल के परात में लोटे के जल से कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे। उनके पैरों में रंग लगाया। वहीं माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत का तिलक लगाकर व चुनरी ओढ़ाकर उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती उतरी वहीं अपने हाथों से भोजन परोसा। मां भगवती के शाश्वत स्वरूप की उपासना की। वहीं लोक कल्याण एवं सर्वे भवन्तु सुखिनरू की कामना की। मंत्री नन्दी ने कहा कि सनातन हिन्दू धर्म में कुमारी कन्याओं का पूजन एवं सत्कार आदि शक्ति मां भगवती दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों का पूजन है। माँ दुर्गा की असीम शक्ति और उनकी कृपा दृष्टि से संसार के प्रत्येक प्राणी का कल्याण हो, यही कामना है। मंत्री नन्दी ने कहा कि बेटियां सुख, समृद्धि और प्रगति का आधार हैं। इनकी पूजा सर्वोत्तम पूजा है। मंत्री नन्दी ने कहा कि नवरात्रि आदिशक्ति की आराधना का पर्व है, जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं। नवरात्रि इन्हीं जगत जननी को समर्पित है और भारतीय संस्कृति में कुमारी कन्याओं को साक्षात देवी स्वरूपा माना गया है। मंत्री नन्दी ने कहा कि आज के समय में बेटियां किसी भी मायने और किसी

भी क्षेत्र में बेटों से पीछे नहीं है। हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। इसलिए आज के समय में बेटियों को सशक्त और समृद्ध बनाते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। जिसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। मंत्री नन्दी ने कहा कि किसी भी देश, राज्य या समाज के लिए नारी सशक्तिकरण बहुत ही आवश्यक है।

3 अक्टूबर को बिहार ब्लाक का भ्रमण कर निरीक्षण करेंगे लोकपाल

छेऊंगा व बिहरिया का स्थलीय भ्रमण करेंगे लोकपाल समाज शेखर

पूर्व शिकायतों के निस्तारण की ब्लाक में करेंगे समीक्षा

जन समान्य की शिकायतों की करेंगे जन सुनवाई व संवाद

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर प्राण 3 अक्टूबर को विकास खंड बिहार का भ्रमण व निरीक्षण कर मनरेगा कार्यो की जमीनी हकीकत से रुबरु होंगे। लोकपाल ग्राम पंचायत छेऊंगा व बिहरिया से आई शिकायतों का स्थलीय भ्रमण कर निरीक्षण करेंगे। ब्लाक में पूर्व शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा मनरेगा सेल व बीडीओ के जी करेंगे। लोकपाल समाज शेखर 3 अक्टूबर को दोपहर ठीक 12 बजे विकास खंड विहार जायेंगे। ब्लाक सभागार में जन सामान्य व मनरेगा कार्मियो तथा प्रधान गणो की लिखित शिकायतों की जन सुनवाई व संवाद करेंगे । तदोपरांत वह बीडीओ व मनरेगा सेल के साथ पूर्व शिकायतों से संबंधित प्रधान व सचिव की उपस्थिति में निस्तारण की वस्तु स्थित व प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लेंगे। वहीं लोकपाल बिहरिया व छेऊंगा ग्राम पंचायत का स्थालीय निरीक्षण कर शिकायतों का निस्तारण करेंगे। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने ब्लाक के जन सामान्य व मनरेगा कर्मियों से मनरेगा से संबंधित शिकायतों की जन सुनवाई व संवाद हेतु 3 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से 2 बजे के मध्य ब्लाक सभागार में उपलब्ध साक्ष्यों के साथ लिखित शिकायत प्रस्तुत करने की अपील की है। खंड विकास अधिकारी बिहार को लोकपाल के कार्यक्रम के मद्दे नजर सुव्यवस्था व सामान्य अनुशासन के निर्देश दिये गए है। किसी असुविधा की दशा में खंड विकास अधिकारी विहार 94544 65561 व लोकपाल प्रतापगढ़ 81880 67730 के सी यू जी नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

सहारा शहर सील करने पहुंचे अधिकारी, प्रतिनिधियों की मिन्नतों के बाद 3 दिन का समय दिया

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में सहारा शहर सील की सीलिंग करने नगर निगम की टीम बुधवार को पहुंची। टीम के अधिकारी ताले लगाने जा रहे थे तभी सहारा के प्रतिनिधि पहुंच

गए। उन्होंने समय देने की मिन्नतें कीं जिसके बाद 3 दिन का समय दे दिया गया। मौके पर भारी पुलिस बल,ईटीएफ, पीएसी बल भी मौजूद रहा। नगर निगम की टीम ने 3 दिन के अंदर सामान निकालने और सहारा शहर खाली करने का समय दिया है। लखनऊ नगर निगम की टीम पांच ताले और 5 जंजीर लेकर पहुंची थी। गेट की सीलिंग करने ही वाली थी, तभी प्रतिनिधियों ने कुछ दिन समय देने की गुजारिश की। मोहलत देने के बाद परिसर में वीआईपी गाड़ियों का मूवमेंट बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि सीलिंग करने पहुंचे नगर निगम के अधिकारी सहारा के लोगों की एक भी नहीं सुन रहे थे। इसके बाद सहारा के प्रतिनिधियों ने प्रशासन के आलाधिकारियों से बातचीत करनी शुरू की। तब जाकर दोनों पक्ष 3 दिन की मोहलत पर सहमत हुए। लखनऊ में सहारा समूह की 130 एकड़ जमीन पर बनी संपत्तियों (सुब्रतो कोठी) को नगर निगम सील करेगा। सुब्रतो कोठी परिसर में सहारा श्री का लग्जरी महलनुमा बंग्ला, ऑफिस, स्टेडियम, ऑडिटोरियम, गेस्ट हाउस, पेट्रोल पंप, फायर स्टेशन, स्विमिंग पूल, हेलीपैड, थिएटर, अस्पताल, झील, क्लब, गेस्ट हाउस सहित अन्य लग्जरी सुविधाएं हैं। यहां कभी अमिताभ बच्चन, मुलायम सिंह यादव जैसी हस्तियां आती थीं। इनको अब नगर निगम कब्जे में लेकर परिसर को पूरी तरह से खाली कराएगा। अधिकारियों के मुताबिक नगर निगम की तरफ से नोटिस दिए जाने के बाद सहारा ने इस पर जवाब दिया जिसका नगर निगम ने खंडन कर दिया।

रजनीगंधा

(कुण्डलिया)

चमकीले पत्ते हरे, मोमी सफ़ेद फूल।
खिलते है जो रात में, मौसम के अनुकूल।
मौसम के अनुकूल,लगे जो बहुत सुगन्धा।
हर दिल बना अज़ीज़, नाम है रजनीगन्धा।
सुन लो कहें प्रदीप,न लगते हैं शर्मीले।
रहें पात के बीच, लगे जो अति चटकीले।।

नाजुक फूलों से अलग, करता जो इज़हार।
निशिगंधा कहते उसे, खुशबू है दमदार।
खुशबू है दमदार, इत्र बन जग गमकाया।
रजनीगंधा नाम, इसी पर है अति भाता।
सुन लो कहें प्रदीप, देखकर मत हो कौतुक।
कोमल लगते फूल, मगर पंखुरी न नाजुक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आरेडिका में स्वच्छता अभियान 5.0 के द्वितीय चरण की शुरूआत

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान 5.0 के तहत दिनांक 01.10.2025 को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने स्वच्छ भारत मिशन को प्रभावी बनाने के लिए वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों के साथ बैठक

कर प्रथम चरण में किये गये कार्यों की समीक्षा की एवं स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण (02.10.2025 से 31.10.2025 तक) के लिए स्वच्छता में सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर आरेडिका के विभागाध्यक्ष तथा अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने–अपने कार्य स्थल पर स्वच्छता की शपथ ली, कि हम साल में 100 घण्टे स्वच्छता के लिए श्रमदान करेंगे, हम न तो गन्दगी करेगें और न ही गन्दगी करने देंगें

इस वीडियो कॉफ्रेंस में आरेडिका के पीसीएमई विवेक खरे, पीसीई सत्य प्रकाश यादव, सीएओ रवीश कुमार, पीसीईई मनोज कुमार जिंदल पीएफए बीएल मीना, पीसीएमओ डा0 आभा जैन मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द, डिप्टी सीपीओ एके मिश्रा, एसपीओ नीरज श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भाइयों के बीच मारपीट, बड़े की मौत, छोटे भाई ने धारदार हथियार से हमला किया

लखनऊ, संवाददाता। सरोजनी नगर में शराब पीने से मना करने पर दो भाइयों के बीच मारपीट हो गई। छोटे ने गुस्से में आकर बड़े भाई पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इससे बड़े भाई की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों भाई दो अन्य साथियों के साथ अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया में गुटखा कंपनी की ठेकेदारी करते थे। मृतक की पहचान अश्वनी कुमार (33) के रूप में हुई। अश्वनी मूल रूप से आशियाना के रजनी खंड का निवासी था। उसकी मां की कई साल पहले मृत्यु हो चुकी है। पिता राजेश कुमार दूसरी शादी कर महोबा में रहते हैं। अश्वनी का छोटा भाई गौरव उसे हमेशा शराब पीने को मना करता था जिससे झगड़ा हो जाता था। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात भी जब अश्वनी शराब पीने लगा तो छोटे भाई गौरव ने मना किया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0: पी आर वाई जे-सिग-219-2025-26 | दिनांक : 29.09.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार/इंजीनियर/ समन्वय/ प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	निविदा नं.	कार्य का विवरण
1	पी आर वाई जे-सिग-219-2025-26	प्रयागराज मण्डल के कानपुर-रूरा एवं रूरा-भाउपुर के खण्ड में विभिन्न यार्डों में सुधार के सम्बन्ध में एस एण्ड टी कार्य।
	अनुमानित मूल्य (₹): 6589926.92/-	बिड सिक्योरिटी (₹): 131800/-
	कार्य समापन की अवधि: 09 माह	निविदा खुलने की तिथि: 29.10.2025
2	निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
3	निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान	निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 1798/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

कक्षा में क्रूरता

निश्चय ही पानीपत की वह घटना किसी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली है, जिसमें एक सात साल के बच्चे को उसके शिक्षक ने सबकसिखाने के लिये कक्षा में उलटा लटका दिया। वाकई यह एक शर्मनाक घटना है, जिसका मानसिक आघात बच्चे के मन पर जीवनपर्यंत बना रह सकता है। यह घटना शहरी इलाके में घटित हुई है लेकिन देश के ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ऐसे वाकये अपवाद नहीं हैं। गाहे–बगाहे ऐसी घटनाएं अखबारों की सुर्खियां बनती रहती हैं, जिसमें शिक्षक क्रूरता की हदें पार करते नजर आते हैं। विगत के दशकों में बच्चों के साथ स्कूलों में निर्मम व्यवहार एक परेशान करने वाले पैटर्न का हिस्सा रहा है। बताते हैं कि पानीपत की परेशान करने वाली घटना का कारण छात्र द्वारा कथित तौर पर होमवर्क न करना रहा है। जिसके चलते इस छात्र को यह अमानवीय सजा दी गई। एक वायरल हुए वीडियो में देखा जा रहा है कि यह बच्चा असहाय और सहमा लटका नजर आ रहा था। कक्षा के अन्य डरे सहपाठी उसे देख रहे थे। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि इस घटना से बच्चे के मन–मस्तिष्क पर कितना बड़ा आघात पहुंचा होगा। जिससे शायद ही जीवनभर वह मुक्त हो पाए। इस वीडियो के वायरल होने के बाद समाज के विभिन्न वर्गों में व्यापक आक्रोश देखा गया। हालांकि, यह घटना बीते अगस्त माह की बतायी जा रही है, लेकिन इसका वीडियो देर से पिछले दिनों सामने आया। जिसको लेकर समाज में तल्ख प्रतिक्रिया देखी जा रही है। इसे वाकये को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं कि स्कूल प्रशासन ने मामले को क्यों दबाया? क्या स्थानीय प्रशासन को इसकी भनक नहीं लगी? वहीं दूसरी ओर सवाल यह भी उठाये जा रहे हैं कि अभिभावकों ने इस घटना के बाबत समय रहते शिकायत क्यों नहीं की? निश्चय ही ऐसे सभी सवालों के जवाब सामने आने चाहिए। विडंबना यह है कि यह सिर्फ पानीपत की ही अकेली घटना नहीं है। सिर्फ सितंबर में ही देश के विभिन्न भागों से स्तब्ध करने वाली कई घटनाएं सामने आई हैं। ऐसी ही एक परेशान करने वाली घटना छत्तीसगढ़ में प्रकाश में आई है। जहां एक लड़की को सौ बार उठक–बैठक करने पर मजबूर किया गया। उसे तब तक पीटा गया जब तक वह चलने लायक रही। एक विचलित करने वाली घटना में नागपुर में कचरा साफ करने से इनकार करने पर कक्षा पांच की दो छात्राओं को डंडे से पीटा गया। इसी तरह विशाखापत्तनम में एक प्रधानाचार्य ने दो किशोरों को लोहे के स्केल से पीट कर प्रताड़ित किया। बिहार की एक घटना में छात्रों को सजा देने के लिये एक कमरे में बंद कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश की एक घटना में छात्र का कंधा ही टूट गया। ये घटनाएं संकेत दे रही हैं कि सुरक्षित बचपन का दावा कितना खोखला है। यूं तो छात्रों को प्रताड़ित करना कानून की दृष्टि से प्रतिबंधित है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 17 शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न पर प्रतिबंध लगाती है। किशोर न्याय अधिनियम में बच्चों के साथ क्रूरता के लिये तीन साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। अगर चोट या गंभीर चोट पहुंचायी जाती है, तो आईपीसी की धाराओं में मुकदमा चलाने का प्रावधान है। फिर भी ऐसे कई मामलों में, निलंबन या बर्खास्तगी से आगे कार्रवाई शायद ही कभी आगे बढ़ती है। ऐसे मामलों में पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारियां तभी होती हैं, जब समाज में जनाक्रोश सीमाएं लांघने लगता है। ऐसे केस में दोष सिद्धि तो और भी दुर्लभ होती है। यह स्थिति उन लोगों का हौसला बढ़ाती है जो इस पुरानी मान्यता को मानते हैं कि डर से ही अनुशासन संभव होता है। वास्तव में ऐसे कृत्य बालमन पर गहरा आघात करते हैं। बचपन में अपमान और हिंसा के निशान सीखने, आत्मविश्वास और विश्वास को कमजोर करते हैं। वास्तव में अधिकारियों को ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस दिखानी चाहिए। छात्रों से शारीरिक हिंसा के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर तुरंत कार्रवाई, अपराधियों की बर्खास्तगी तथा स्कूल प्रबंधन की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

वैश्विक परिदृश्य में धमक बढ़ाता भारत

सुरेश सिंह

भारत की 28.2 वर्ष की माध्य आयु इसे नवाचार और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण लाभ देती है, जो वैश्विक प्रभाव बढ़ाने में मददगार है। भू–राजनीतिक दृष्टिकोण से भारत का महत्व अत्यधिक है।

भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभर रहा है। 2025 तक भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी बनने की दिशा में अग्रसर है, जिसके पीछे इसकी लगातार आर्थिक वृद्धि और युवा कार्यबल की भूमिका है। भारत की 28.2 वर्ष की माध्य आयु इसे नवाचार और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण लाभ देती है, जो वैश्विक प्रभाव बढ़ाने में मददगार है। भू–राजनीतिक दृष्टिकोण से भारत का महत्व अत्यधिक है। एशिया के संगम स्थल पर स्थित भारत, हिंद महासागर में प्रमुख समुद्री मार्गों पर नियंत्रण रखता है और क्वाड, शंघाई सहयोग संगठन, एससीओ, ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंचों में अपनी सक्रिय भागीदारी से वैश्विक शासन संरचना में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, भारत के पास चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा सक्रिय सैन्य बल है, जो उसे रणनीतिक स्वायत्तता व सामरिक ताकत प्रदान करता है। वहीं भारत की वैश्विक पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, तीन करोड़ से अधिक प्रवासी भारतीयों की शक्ति और योग, फिल्म उद्योग जैसे सॉफ्ट पावर उपकरणों के माध्यम से भी मजबूत हो रही है। इसके साथ ही भारत तकनीकी नवाचार, डेटा गवर्नेंस और डिजिटल पब्लिक गुड्स जैसे क्षेत्रों में भी वैश्विक नेतृत्व करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। हालांकि भारत को रणनीतिक स्पष्टता और संस्थागत क्षमता बढ़ाने की चुनौतियों का सामना भी है, साथ ही विकास की असमानताएँ राष्ट्रीय एकता और वैश्विक भूमिका पर असर डालती हैं। फिर भी, भारत अमेरिका, रूस और चीन के साथ संतुलित साझेदारी तेरह करोड़ से अधिक प्रवासी भारतीयों की शक्ति और यांग,फिल्म उद्योग जैसे सॉफ्ट पावर उपकरणों के माध्यम से भी मजबूत हो रही है। इसके साथ ही भारत तकनीकी नवाचार, डेटा गवर्नेंस और डिजिटल पब्लिक गुड्स जैसे क्षेत्रों में भी वैश्विक नेतृत्व करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। हालांकि भारत को रणनीतिक स्पष्टता और संस्थागत क्षमता बढ़ाने की चुनौतियों का सामना भी है, साथ ही विकास की असमानताएँ राष्ट्रीय एकता और वैश्विक भूमिका पर असर डालती हैं। फिर भी, भारत अमेरिका, रूस और चीन के साथ संतुलित साझेदारी स्थापित कर अपनी वैश्विक महाशक्ति बनने की यात्रा पर लगातार अग्रसर है। भारत की वैश्विक प्रभावशीलता तकनीकी प्रगति, कूटनीति और सांस्कृतिक शक्ति के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही है। इस प्रकार, भारत न केवल आर्थिक और सैन्य रूप से बल्कि कूटनीतिक, सांस्कृतिक और तकनीकी दृष्टिकोण से भी एक समेकित वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है, जो आने वाले दशकों में विश्व राजनीतिक एवं आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दे सकता है। भारत एक विशाल और विविधतापूर्ण देश होने के कारण कई सुरक्षा और सामरिक चुनौतियों का सामना करता है। प्रमुख चुनौतियाँ हैं।जैसे सीमा विवादः भारत के विभिन्न पड़ोसी देशों जैसे चीन और पाकिस्तान के साथ सीमाओं पर विवाद और तनाव लगातार बना रहता है, जिससे सैन्य संघर्ष की संभावना रहती है। आतंकवाद और उग्रवादः जम्मू–कश्मीर, उत्तर–पूर्व, और मध्य भारत के कुछ क्षेत्रों में आतंकवादी और नक्सलवादी विद्रोह सक्रिय हैं, जो देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। साइबर सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयारी करनी होगी। तकनीकी विस्फोट के कारण साइबर हमलों में वृद्धि हुई है, जो सरकारी, सैन्य और नागरिक अवसंरचना को प्रभावित कर सकते हैं। वही संगठित अपराध और तस्करी अवैध हथियार, मादक पदार्थों की तस्करी, और द्वेषपूर्ण समूहों की गतिविधियाँ देश की समग्र सुरक्षा को चुनौतियाँ देती हैं। खुफिया और सुरक्षा एजेंसाओं की क्षमता और समन्वय के लिए और काम करने की जरूरत है।सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसाओं के बीच बेहतर समन्वय और आधुनिक तकनीक के उपयोग की आवश्यकता है। इन समस्याओं के समाधान के लिए भारत को अत्याधुनिक हथियार, मिसाइल प्रणाली और निगरानी तकनीकों का विकास और तैनाती जरूरी है ताकि सीमा और आंतरिक खतरों से त्वरित और प्रभावी निपटारा हो सके। केंद्र और राज्यों के बीच सूचनाओं का तालमेल बढ़ाना और विशेषज्ञ तकनीकी खुफिया इकाइयों का गठन आवश्यक है। स्थानीय लोगों को सुरक्षा व्यवस्था में शामिल करना और साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखना महत्वपूर्ण है। साइबर सुरक्षा कड़े कानून और टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाना होगा, साथ ही हर विभाग में साइबर सुरक्षा सेल बनाना जरूरी है। ड्रोन, सेंसर्स और बॉर्डर फेंसिंग के माध्यम से अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण और सतत निगरानी करनी होगी। आतंकवाद निरोधक कानूनों को मजबूती देना, नक्सलियों से बातचीत व विकासकारी योजनाओं से उग्रवाद को जड़ से खत्म करना महत्वपूर्ण है। भारत की सुरक्षा के लिए समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का निर्माण और निरंतर सुधार भी अत्यंत आवश्यक है, जिसमें सभी सुरक्षा बल, खुफिया एजेंसियाँ, और नागरिक सामूहिक रूप से मिल कर काम करें। इस तरह भारत अपनी बढ़ती वैश्विक भूमिका के साथ सुरक्षा और सामरिक बल भी मजबूत कर सकता है।यह रणनीतियाँ भारत की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा को समेकित रूप से मजबूत कर सकती हैं और देश को स्थिरता, सुरक्षा एवं विकास की दिशा में अग्रसर बनाएंगी। हालांकि भारत की स्थिति आज पूर्व की अपेक्षा काफी मजबूत हो चुकी है अब भारत की स्थिति वैश्विक परिदृश्य में ऐसी है की कोई भी वैश्विक निर्णय भारत की उपस्थिति के बिना लिया जाना असंभव है।

गांधीरू–एक महात्मा,युगपुरुष व विचारधारा

–अदम्य साहस,असीम शक्ति,अथक प्रयास व मानवीय समस्याओं के प्रति अद्वितीय व्यावहारिक–दृष्टिकोण के साथ,(2 अक्टूबर,1869) को गुजरात के एक तटीय नगर,पोरबंदर नामक स्थान पर करमचंद गांधी व पुतलीबाई के घर जन्मे एक बालक ने,भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में अपनी अतुलनीय व अविस्मरणीय कार्यों से वस्तुतःएक अमिट छाप छोड़ा है।– प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात ही,खुद बाल–विवाह का शिकार होकर 'ष्कस्तूर बाई मकन जीष(कस्तूरबा गांधी जी)' को जीवन संगिनी के रूप में अपनाया। पोरबंदर से ही माध्यमिक व राजकोट से उच्च शिक्षा ग्रहण किया,जबकि सन् (1888) में गांधी, ष्यूनिवर्सिटी कॉलेज,लंदनष में कानून की पढ़ाई करने और बैरिस्टर बनने के लिए इंग्लैंड चले गए।

'(इंग्लैंड व वेल्स बार एसोसिएशन)' के वापस बुलाने पर,वह भारत लौट तो आएं,किंतु मुंबई में वकालत करने में उन्हें कोई खास सफलता व प्रसिद्धि हासिल नहीं हुई,जिसके कारण निजी जीवन में वह उदास रहते थे। सन् (1893) में वह एक भारतीय फर्म से नेटाल (दक्षिण अफ्रीका) में एक वर्ष के करार पर वकालत का कारोबार स्वीकार कर लिएं। दक्षिण अफ्रीका में व्याप्त तत्कालीन सामाजिक बुराइयां जैसे की '(रंगभेद,नस्लीय–भेदभाव,ऊंच–नीच)' की अशिष्ट भावना के वह खुद भी शिकार हुए, तथा तत्पश्चात उसका पुरजोर विरोध किया व इन सबसे मुक्ति पाने में सफल भी रहें,साथ ही (1906) के '(जुलू–विद्रोह)' में भी निर्णायक भूमिका निभाया और वहीं से अपने जीवन में सर्वप्रथम 'ष्सत्याग्रहष' की बुनियाद भी रखें।

–दक्षिण अफ्रीका में संघर्षमय–जीवन के ष्21ष – बसंत पार करने के पश्चात,अब गांधीरूएक अनुभवी वकील,जुझारू नेता,और कुशल मार्गदर्शक बन चुके थें।– (9 जनवरी 1915) को गांधी का भारत में पर्दापण हुआ,जिस समय भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष अपने गरम दल व नरम दल के नेतृत्व–कर्ताओं के साथ युवावस्था की ओर अग्रसर हो रहा था। अपने राजनीतिक गुरु 'ष्गोपाल कृष्ण गोखलेष' के आदेशानुसार गांधी ने सर्वप्रथम संपूर्ण भारत को सामाजिक,सांस्कृतिक व भौगोलिक रूप से एक वर्ष तक समझने का प्रयास किया। –(4 फरवरी 1916) को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के शुभ उद्घाटन समारोह में कांग्रेस के तमाम नेताओं व मौजूद राजा–महाराजाओं के समक्ष, जब गांधी को जनमानस संबोधित करना हुआ,तो अपनी 'ष्बेबाकी और सादगीष' का विचित्र परिचय देते हुए, उन्होंने भौतिक सुख–साधन से अलंकृत जीवन शैली व दिखावटीपन का आलोचना किया,इस भाषण के बाद ही गांधी,भारत की जनता में और लोकप्रिय और सम्मानित बन गए।– इसके बाद चंपारण, खेड़ा व अहमदाबाद के

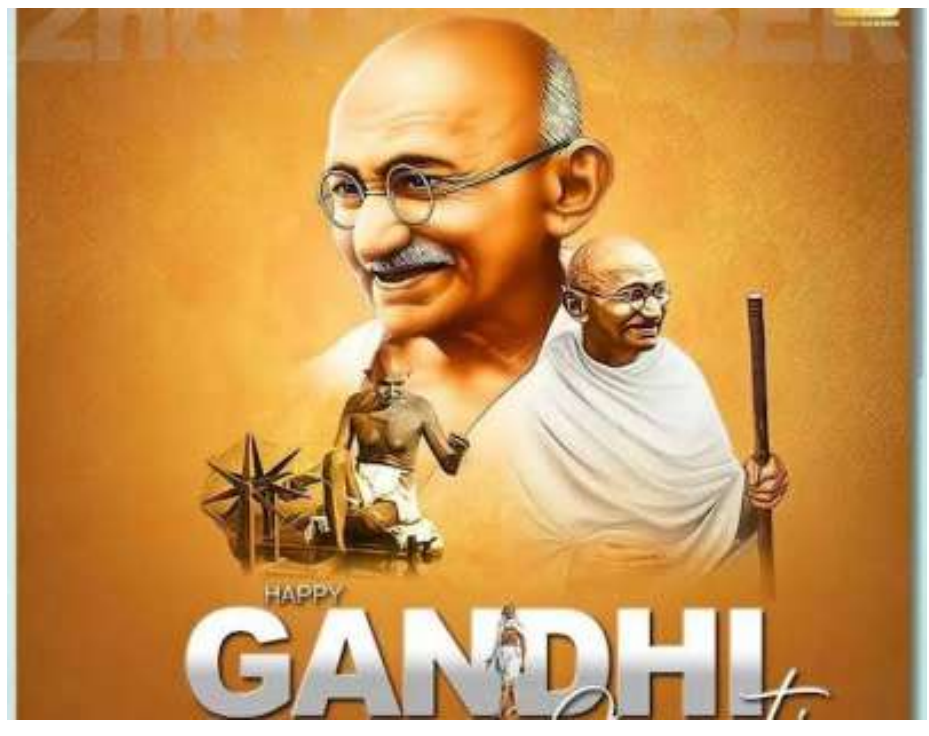

आंदोलनों में सक्रिय होते हुए,गांधी ने ष्असहयोग आंदोलनष और ष्सविनय अवज्ञा आंदोलनष में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाया। सन्(1942) के भारत–छोड़ो आंदोलन में 'ष्करो या मरोष' के नारे के बाद से सन् (1947) के आजादी मिलने तक, गांधी जी ने निरंतर संघर्ष जारी रखा।

'चरखा व खादी के रूप में भारतवासियों को आत्मनिर्भर बनाते हुए, स्वदेशी भावना को घर–घर पहुंचने की बात हो या भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष को एक विशाल जन–आंदोलन में परिवर्तित करने की,हरदम एक ही नाम सदा याद आता है.... .ष्गांधीजीष।' गांधी जी के विचारों का इतना गहरा प्रभाव पड़ा की संविधान–निर्माताओं ने,नीति निर्देशक तत्वों में गांधीवादी सिद्धांतों के अंतर्गत– '(अनुच्छेद40,43,43बी,46,47 और 48)' को शामिल किया,जो की ग्राम पंचायत के गठन,ग्रामीण–विकास,शिक्षा,और कुटीर–उद्योग को प्रोत्साहित करने व कमज़ोर वर्ग जैसेरू(किसान और मजदूर)के हितों की रक्षा करने पर विशेष जोर देने की बात करते हैं। 'मां भारती के वीर सपूत,युग–प्रणेता,दूरदर्शी व लोकप्रिय नेता,कानून व शिक्षाविद् ,महान लेखक व राजनीतिज्ञ और ईश्वरवादी, जिसने सदैव ष्सत्य और अहिंसाष के मार्ग पर चलकर एक कीर्तिमान स्थापित किया,और पूरे विश्व को शांति का संदेश पहुंचाया,उस व्यक्ति की गोली मारकर,हिंसक रूप से हत्या की जाती है,वह भी जब वह निहत्थे, आस्था व भक्ति की भावना संजोकर इबादत करने जा रहें थें।' –वस्तुतरू यह घटना अपने आप में आश्चर्यजनक व विडंबनापूर्ण हैं, और उससे भी शर्मिंदगी की बात है कि, हमारे इसी मुल्क में गांधी के हत्यारे और गांधीवाद के विरोधियों की सराहना की जाती है जो की पूर्णतरू अतिनिंदनीय,अशोभनीय,और अमर्यादित है।–

इस तरह 'ष्आविर्भाव से तिरोभावष' तक के (78 वर्ष,3 महीने और 29 दिन) की यात्रा,गांधी ने तमाम ष्उतार–चढ़ावष का सामना करते हुए तय किया। आज जब हम गांधी जी की (156)वीं जन्म–जयंती मना रहे हैं, और संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे 'ष्अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवसष' के रूप में मनाया जा रहा है, तो यह स्पष्ट करता है कि, गांधी की प्रासंगिकता बनी हुई है,जो कि निसंदेह अनंतकाल तक चलेगी। 'ष्केवल बीसवीं और इक्कीसवीं शताब्दी ही नहीं,बल्कि आने वाली हर पीढियों और शताब्दियों के लिए गांधी जीरूएक महात्मा, मार्गदर्शक व विचारधारा में रूप में रहेंगे। गांधी अतीत, वर्तमान और भविष्य तीनों के प्रेरणाश्रोत है

'आशीष कुमार सैनी'
पुराछात्र– इलाहाबाद विश्वविद्यालय ।
जनपद–प्रयागराज,उत्तर प्रदेश।

दशहराः धर्म की जीत और अधर्म के अंत का संदेश

उमेश कुमार सिंह

प्राचीन भारतीय संस्कृति में विजयादशमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि वह शाश्वत सत्य है जो हमें हर युग में यह स्मरण कराता है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः उसे सत्य और धर्म के आगे झुकना ही पड़ता है। त्रेता युग में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने घोर अत्याचारी लंकापति रावण का संहार कर इस शाश्वत सत्य को स्थापित किया था। तभी से दशहरा न केवल राम की विजय का प्रतीक है, बल्कि यह भी सिखाता है कि धर्म की विजय और अधर्म का पतन अनिवार्य है। रावण का जन्म ब्राह्मण ऋषि विश्रवा और कैकसी के पुत्र रूप में हुआ था। उसके सौतेले भाई कुबेर देवताओं में धन के अधिपति माने जाते हैं। परंतु इतनी ऊँची कुल परंपरा में जन्म लेने के बावजूद रावण अपनी असुर प्रवृत्तियों के कारण विनाश की राह पर चला गया। अपार शक्ति और विद्या प्राप्त करने के बाद भी वह अहंकार, लोभ और अधर्म में डूब गया। उसने देवताओं तक को परास्त किया, स्वर्ग तक पर अधिकार कर लिया और अमरत्व प्राप्त कर लंका को वैभव और ऐश्वर्य का केंद्र बना दिया।स्वर्णमयी लंका में रावण का राजमहल रत्नों से जड़ा हुआ था, चारों ओर कमल–पुष्पों से भरी खाई, सुगंधित पदार्थों से सुवासित आंतरिक कक्ष और विलासिता की पराकाष्ठा वहाँ विद्यमान थी। किंतु यह वैभव भी उसके अहंकार को शांत न कर सका। उसने स्वयं अपने सौतेले भाई कुबेर से पुष्पक विमान छीन लिया और इन्द्र, वरुण, यम जैसे देवताओं को भी परास्त कर दिया। परंतु कपिराज बाली के सामने उसका साहस जवाब दे देता था। यह विरोधाभास बताता है कि शक्ति और सामर्थ्य के बावजूद अहंकार मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है। राजा दशरथ के पुत्र श्रीराम केवल हिंदू धर्म के ही आराध्य नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए आदर्श हैं। उन्होंने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मर्यादा, सत्य और धर्म का पालन कर यह संदेश दिया कि शक्ति का सर्वोत्तम उपयोग तभी है जब वह धर्म की रक्षा के लिए किया जाए। वाल्मीकि, तुलसीदास से लेकर रहीम जैसे मुस्लिम कवियों तक ने राम के आदर्शों का गुणगान किया। यह

इस बात का प्रमाण है कि राम केवल एक धर्म या समुदाय के नहीं, बल्कि पूरी मानवता के प्रतिनिधि हैं। वनवास के दौरान श्रीराम ने चित्रकूट के कामदगिरि में व्यतीत किए, जिससे यह स्थल आज भी पवित्र और पूजनीय माना जाता है। यह वही राम हैं जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्रियजनों तक को त्याग दिया, और बुराई के प्रतीक रावण को परास्त कर सत्य की विजय सुनिश्चित की। राम और रावण के बीच का युद्ध केवल दो व्यक्तियों या दो सेनाओं के बीच का संघर्ष नहीं था। यह दो जीवन दृष्टियों, दो संस्कृतियों, धर्म और अधर्म, तथा सत्य और असत्य के बीच का महासंग्राम था। एक ओर राम थे, जो धर्म, मर्यादा और सत्य के मार्ग पर चलकर मानवता के कल्याण का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर रावण था, जो ज्ञान और सामर्थ्य होते हुए भी अहंकार, लोभ और अधर्म में डूबा हुआ था। रावण ने कपि सेना को कमजोर और तुच्छ समझकर अपनी भूल की। यह उसका घमंड और मतिभ्रम ही था कि उसने राम की सेना को नजरअंदाज किया। लेकिन अंततः कई दिनों तक चले घमासान युद्ध के बाद रावण का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। प्रत्येक वर्ष दशहरे पर हम रावण का पुतला जलाते हैं। हर वर्ष उसका आकार बड़ा होता जाता है, और उसका बाहरी स्वरूप अधिक आकर्षक बनता जाता है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या रावण का अंत केवल उसके पुतले के साथ ही हो जाता है? सत्य यह है कि रावण आज भी हमारे भीतर और हमारे समाज में जीवित है। उसका रूप अब केवल दस सिरों वाला राक्षस नहीं, बल्कि हमारे भीतर की ईर्ष्या, घृणा, लोभ, अहंकार, अन्याय, भ्रष्टाचार और अधर्म के रूप में विद्यमान है। हममें से प्रत्येक को यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या हमने अपने भीतर के रावण को जलाया है? जब तक हम राम के आदर्शों दृ सत्य, करुणा, धर्म और मर्यादा दृ को अपने जीवन में नहीं उतारते, तब तक बुराई किसी न किसी रूप में हमारे चारों ओर बनी रहेगी। रावण के पुतले को जलाना केवल एक प्रतीकात्मक क्रिया है, वास्तविक विजय तब होगी जब हम अपने भीतर के रावण को परास्त करेंगे।विजयादशमी का अर्थ केवल आतिशबाजी और पुतला–दहन नहीं है। इसका सच्चा अर्थ है। सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लेना। धर्म की रक्षा के लिए साहस जुटाना। अहंकार और लोभ को त्यागकर विनम्रता अपनाना। अन्याय और अधर्म के विरुद्ध खड़ा होना। यदि हम श्रीराम के जीवन और आचरण का किंचित भी अनुसरण कर लें, तो हम न केवल अपने भीतर की बुराइयों पर विजय पा सकते हैं, बल्कि समाज में भी परिवर्तन ला सकते हैं। तब हम भी आज के राम और रावण युद्ध के विजेता कहलाएंगे और हमारा जीवन भी राममय बन जाएगा।राम और रावण का युद्ध केवल त्रेता युग की कथा नहीं है। यह हर युग, हर समाज और हर व्यक्ति के भीतर चलता रहता है। हर विजयादशमी हमें यह याद दिलाती है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, सत्य और धर्म की विजय अपरिहार्य है। आज भी जब हम रावण का पुतला जलाते हैं, तो वह केवल अतीत की स्मृति नहीं होती, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी एक संदेश होती है।कि हमें अपने भीतर के रावण को पहचानकर उसका दहन करना होगा।कि हमें श्रीराम के मार्ग पर चलकर जीवन संग्राम में विजेता बनना होगा। आइए, इस विजयादशमी पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि न केवल समाज में बल्कि अपने भीतर भी अच्छाई को विजयी बनाएंगे और बुराई को समाप्त करेंगे। तभी यह पर्व अपने सच्चे अर्थों में सार्थक होगा। सभी पाठकों को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएँ और जीवन संग्राम में विजयी होने की मंगलकामनाएँ!

एक्टर परेश रावल का बड़ा बयान, बोले-द ताज स्टोरी देखे बगैर दर्शक कोई राय न बनाएं

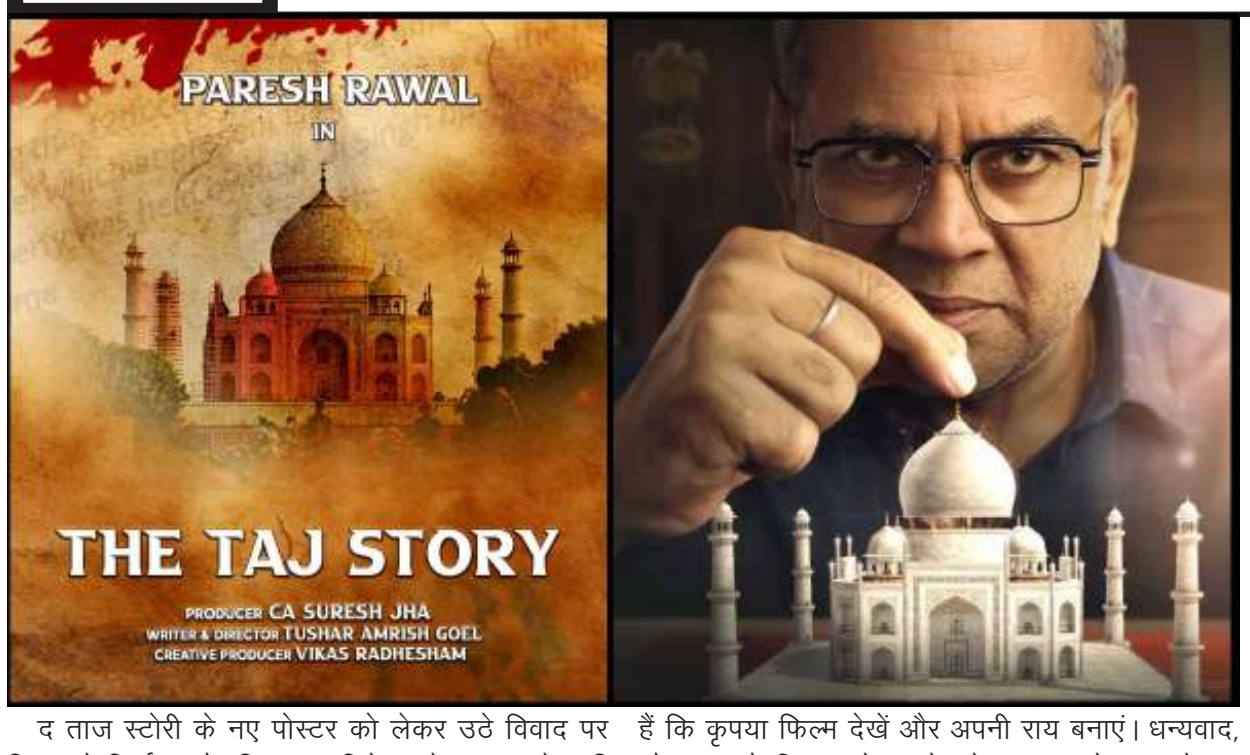

> रेश रावल के साथ जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास अभिनीत यह फिल्म चर्चा में तब आई, जब हाल ही में जारी पोस्टर में परेश रावल को ताजमहल के गुंबद को हाथों में थामे दिखाया गया, जिसके भीतर शिवलिंग स्थापित था। सोशल मीडिया पर मचे बवाल के बाद मेकर्स ने स्थिति साफ करने का निर्णय लिया।

द ताज स्टोरी के नए पोस्टर को लेकर उठे विवाद पर फिल्म के निर्माता और दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया है। परेश रावल के साथ जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास अभिनीत यह फिल्म चर्चा में तब आई, जब हाल ही में जारी पोस्टर में परेश रावल को ताजमहल के गुंबद को हाथों में थामे दिखाया गया, जिसके भीतर शिवलिंग स्थापित था। सोशल मीडिया पर मचे बवाल के बाद मेकर्स ने स्थिति साफ करने का निर्णय लिया। परेश रावल ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से एक डिस्क्लेमर स्वरूप बयान साझा करते हुए लिखा डिस्क्लेमर फिल्म द ताज स्टोरी के निर्माता यह स्पष्ट करते हैं कि यह मूवी किसी भी धार्मिक मुद्दे से जुड़ी नहीं है और न ही यह दावा करती है कि ताजमहल के भीतर कोई शिव मंदिर है। यह केवल ऐतिहासिक तथ्यों पर केंद्रित है। हम आपसे निवेदन करते हैं कि कृपया फिल्म देखें और अपनी राय बनाएं। धन्यवाद, गौरतलब है कि इससे पहले परेश रावल ने एक पोस्टर साझा किया था (जो अब डिलीट कर दिया गया है) और कैप्शन में लिखा था (क्या हो, अगर अब तक आपको सिखाई गई हर बात झूठ हो? सच्चाई सिर्फ छिपी नहीं है, बल्कि उसका फैसला किया जा रहा है। द ताज स्टोरी के साथ 31 अक्टूबर को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में सच को उजागर करें।) स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत द ताज स्टोरी, जिसे तुषार अमरीश गोयल ने लिखा और निर्देशित किया है, में परेश रावल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के क्रिएटिव प्रोड्यूसर विकास राधेश्याम हैं। यह फिल्म 31 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने अब यह स्पष्ट कर दिया है कि दर्शक किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले फिल्म देखें और उसके बाद ही अपनी राय बनाएं।

बालिका-वधू फेम अविका गौर ने रचाई होने वाले पिया के नाम की मेहंदी, फेमस मेहंदी आर्टिस्ट संग फ्लान्ट किए मेहंदी वाले हाथ

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस अविका गौर, जिन्हें छोटे पर्दे पर बालिका वधू सीरियल से खास पहचान मिली थी, अब रियल लाइफ में भी दुल्हन बनने जा रही हैं। अविका ने अपने मंगेतर और सोशल वर्कर मिलिंद चंदवानी से शादी करने का फैसला किया है। खास बात यह है कि दोनों अपनी वेब सीरीज पति, पत्नी और पंगा के सेट पर ही जीने-मरने की कसमें खाने वाले हैं। हाल ही में अविका के हाथों पर पिया का नाम की मेहंदी लग गई है, जिसकी झलक भी सोशल मीडिया पर सामने आई है। हल्दी की रस्म पूरी होने के बाद अब अविका गौर की मेहंदी सेरेमनी की तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। मेहंदी के मौके पर दोनों बेहद खुश और उत्साहित नजर आए। अविका और मिलिंद के हाथों पर मेहंदी किसी आम आर्टिस्ट ने नहीं बल्कि बॉलीवुड की मशहूर मेहंदी आर्टिस्ट वीना नागदा ने लगाई। सोशल मीडिया पर कपल के वीडियोज और फोटोज तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें दोनों अपनी मेहंदी फ्लॉन्ट करते दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि अविका और मिलिंद ने जून 2025 में सगाई की थी। उस दौरान अविका ने सोशल मीडिया पर अपनी एंगेजमेंट की खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर फैन्स को खुशखबरी दी थी। अविका और मिलिंद की जोड़ी फिलहाल पति, पत्नी और पंगा में नजर आ रही है। इस शो के प्रीमियर के दौरान ही अविका ने ऐलान किया था कि वह मिलिंद से इसी सेट पर शादी करेंगी। अब हल्दी और मेहंदी की रस्मों के बाद दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं।

15 सालों से पत्नी से अलग रह रहे हैं गोविंदा, सुनीता आहूजा बोली-मुझे फर्क नहीं पड़ता

अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने आखिरकार अपने पति के अफेयर्स की अफवाहों पर सफाई दी है। अपने हालिया व्लॉग में, सुनीता ने कहा कि उन्होंने गोविंदा के अफेयर्स के बारे में अफवाहें सुनी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उन्होंनेअपने पति को कभी धोखा देते हुए पकड़ा, तो वह मीडिया को सबसे पहले यह बात बताएंगी। खबरें थीं उनकी 37 साल की शादी टूटने जा रही है, एक्टर का किसी मराठी एक्ट्रेस संग अफेयर चल रहा है। सुनीता आहूजा ने इसे लेकर कहा-समस्या ये है कि परिवार में कई लोग हैं जो मुझे और गोविंदा को साथ नहीं देखना चाहते। वो सोचते हैं इनका परिवार इतना खुश क्यों है क्योंकि उनके खुद के बीवी बच्चे मर गए हैं। उन्होंने आगे कहा, तो क्या है ना जैसी मैं बोलती हूं, अगर तुम गंदे लोगों के साथ रहोगे तो वैसे बन जाओगे। आज मेरा फ्रेंड सर्कल नहीं है, मेरे बच्चे मेरे दोस्त हैं। ची और मैं 15 साल से अलग-अलग घर में रह रहे हैं, लेकिन वह घर पर आते-जाते रहते हैं। गोविंदा की पत्नी ने आगे कहा-जो अच्छी औरत को दुख देगा वो कभी सुखी नहीं रहेगा, बेचौन रहेगा। मैंने बचपन से लेकर अपनी पूरी जिंदगी दे दी उसको, आज भी इतना प्यार करती हूं। इसके साथ ही उन्होंने यह क्लियर कर दिया कि गोविंदा के अफेयर की अफवाहों का उन पर कोई असर नहीं पड़ता क्योंकि वह मजबूत हैं और अपने पति से बेहद प्यार करती हैं। फैन यह बात जानकर हैरान हैं कि गोविदा और सुनीता एक साथ नहीं बल्कि अलग-अलग घरों में रहते हैं।

सूफी गायक बिस्मिल अपने ऑल इंडिया टूर बिस्मिल की महफिल पर जल्द होंगे रवाना

भारतीय सूफी संगीत के चर्चित कलाकार बिस्मिल इस साल देश के विभिन्न शहरों में अपनी लाइव प्रस्तुतियां देने जा रहे हैं। यह टूर 'बिस्मिल की महफिल' नाम से आयोजित किया जा रहा है, जिसकी जानकारी हाल ही में उनकी टीम ने सोशल मीडिया के जरिए साझा की। बिस्मिल, जो समकालीन सूफी गायकी में अपनी अलग पहचान रखते हैं, इस कार्यक्रम के तहत पुणे से शुरुआत करेंगे। इसके बाद नासिक और

बरैली में शो आयोजित होंगे। टूर की अगली कड़ियाँ सूरत, लखनऊ, कोलकाता, मुंबई, लुधियाना, अहमदाबाद और अंत में दिल्ली में पहुंचेंगी। प्रस्तावित कार्यक्रमों की श्रृंखला इस साल के अंत में नए साल की पूर्व संध्या पर समाप्त होगी, जिसमें कई प्रमुख शहरों में विशेष प्रस्तुतियां शामिल हैं। इस अवसर पर बिस्मिल ने एक बयान में कहा कि सूफी संगीत को वे केवल कला नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक यात्रा मानते हैं, जिसमें श्रोता भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं। कार्यक्रम का आयोजन ल्वनते म्अमदजनिससल के सहयोग से किया जा रहा है, और यह पूरे वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में चरणबद्ध तरीके से आयोजित होगा। बताया जा रहा है कि इस टूर को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है, और हर शहर में अलग-अलग तारीखों पर आयोजन की योजना है। आयोजनकर्ताओं के अनुसार, बिस्मिल की महफिल एक ऐसा कार्यक्रम होगा जिसमें संगीत, कविता और सांस्कृतिक भावनाओं का समागम देखने को मिलेगा।

स्टार स्टूडियो18 और एलेमन3 एंटरटेनमेंट ने किया सिंगल सलमा का ट्रेलर रिलीज

पैन-इंडिया सुपरस्टार प्रभास ने 13 साल बाद अपने फैंस को कॉमेडी का तोहफा दिया है। उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'द राजा साहब' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। प्रभास के ग्रैंड अंदाज, स्टाइलिश लुक और फिल्म के शानदार विजुअल्स ने फैंस को दीवाना बना दिया है। फैंस का कहना है कि यह सिर्फ एक ट्रेलर नहीं बल्कि एक त्योहार है। एक यूजर ने लिखा, "क्या ट्रेलर है!!! प्रभास का स्वैग बेमिसाल है, विजुअल्स शानदार हैं, म्यूजिक जबरदस्त है। राजा साहब का दौर शुरू हो गया ।" वहीं दूसरे ने कहा, "ये सिर्फ ट्रेलर नहीं है, ये हमारे लिए एक त्योहार है! किंग आ चुका है "नेटिजन्स प्रभास की रॉयल मौजूदगी और पावरफुल स्क्रीन प्रेजेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों ने इसे "विजुअल ट्रीट" और "मासी स्पेक्टेकल" बताया है। एक यूजर ने लिखा, "राजा साहब का ट्रेलर फायर है, डार्लिंग प्रभास का ऑरा बेमिसाल रुजीमर्त्रेइज्तंपसमत।" वहीं दूसरे ने कहा, "प्रभास अन्ना फुल फॉर्म में वापस आ गए हैं!! स्टाइलिश, जबरदस्त और रॉयल ।ट्रेलर में दमदार बैकग्राउंड म्यूजिक, शानदार विजुअल्स और मास अपील ने सिनेमाई तूफान की जमीन तैयार कर दी है। फैंस का मानना है कि यह फिल्म मैजिकल और ग्रैंड एक्सपीरियंस देने वाली है। स्पष्ट है कि 'द राजा साहब' का ट्रेलर रिलीज से पहले ही बार को बहुत ऊपर उठा चुका है। प्रभास ने अपने स्वैग और करिश्माई स्क्रीन प्रेजेंस से एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह क्यों अनडिस्प्यूटेड पैन-इंडिया सुपरस्टार कहलाते हैं।

घर के गार्डन में भी उगा सकते हैं ऑर्गेनिक पालक, बस मिट्टी और गमले का रखें खास ख्याल

सर्दियां आने से पहले लोग पालक, मेथी, धनिया जैसी पत्तेदार सब्जियां उगाना शुरू कर देते हैं। ऐसे में लोग विटामिन–ए, विटामिन–सी, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन से भरपूर पालक भी घर पर उगाना चाहते हैं। घर में पालक की खेती करना आसान और फायदेमंद होता है। पालक पोषक तत्वों से भरपूर एक हरी सब्जी है, जिसे घर में छोटे से बगीचे या गमले में भी उगाया जा सकता है। वैसे तो इसके लिए सर्दियों का मौसम बहुत अच्छा माना जाता है। लेकिन आप कुछ ट्रिक के साथ गर्मी के दिनों में भी उगा सकते हैं।

पालक की सही किस्म चुनें

बांठी पालकः यह सबसे आम किस्म है और जल्दी उगती है। यह किस्म घर में उगाने के लिए उपयुक्त है।

ग्रीन या चाइनीज पालकः इनकी पत्तियां बड़ी और मोटी होती हैं, और यह भी घर के बगीचे के लिए सही विकल्प हो सकती है।

पालक के लिए सही मिट्टी

पालक को हल्की, अच्छी तरह से सूखी हुई मिट्टी चाहिए होती है।मिट्टी में जैविक खाद जैसे गोबर की खाद या वर्मी कम्पोस्ट डालें। यह मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है। मिट्टी का पीएच स्तर 6.0 से 7.5 के बीच होना चाहिए, जो पालक के लिए आदर्श है।बीजों को सीधे मिट्टी में 1/2 से 1 इंच गहराई पर बोएं। पंक्तियों के बीच 6–8 इंच की दूरी रखें ताकि पौधे अच्छे से फैल सकें। बीजों के ऊपर हल्की मिट्टी डालें और धीरे से पानी दें।

गमला या ग्रो बैग का चयन

यदि आप गमले में पालक उगाना चाहते हैं, तो 8–12 इंच गहरा और चौड़ा गमला लें। ग्रो बैग भी पालक उगाने के लिए अच्छा विकल्प है। इसमें ड्रेनेज होल होने चाहिए ताकि अतिरिक्त पानी बाहर निकल सके।

सूरज की रोशनी

पालक को दिन में कम से कम 4–6 घंटे की धूप चाहिए होती है। इसे ऐसी जगह पर रखें जहां पर्याप्त धूप मिले। अगर बहुत तेज धूप हो, तो पालक को हल्की छांव भी दी जा सकती है। पालक को नियमित पानी देना जरूरी है, लेकिन ध्यान रखें कि मिट्टी में पानी जमा न हो। गमले की मिट्टी में नमी बनाए रखें, लेकिन जलभराव से बचें क्योंकि इससे जड़ें सड़ सकती हैं।

निराई–गुड़ाई और देखभाल

पालक के पौधे के चारों ओर नियमित रूप से निराई करें ताकि खरपतवार न उगे। यदि पौधे पीले दिखने लगें, तो हल्की जैविक खाद का उपयोग करें। पालक को बीज बोने के 30–40 दिनों के भीतर काटा जा सकता है। पूरी तरह विकसित पत्तियां काटें, लेकिन जड़ को मत निकालें, ताकि नए पत्ते उग सकें।

किस मौसम में उगाएं

पालक ठंडे मौसम की फसल है, इसलिए इसे सर्दियों के मौसम में उगाना सबसे अच्छा होता है। हालांकि, आप पालक को साल भर उगा सकते हैं यदि आप इसे ठंडे और छायादार स्थान पर रखें। घर में पालक उगाने के लिए यह विधि आसान और स्वस्थ आहार का स्रोत है। सही मिट्टी, गमला, और देखभाल से आप ताजे और हरे पालक का आनंद ले सकते हैं।

स्किन केयर के ये 4 प्रोडक्ट त्वचा को कर देते हैं बर्बाद, आज से ही बंद कर दें इस्तेमाल

आजकल लगभग सभी लोग अपनी स्किन की इतनी ज्यादा फिक्र करते हैं कि बिना डॉक्टर की सलाह लिए ऐसी चीजों का इस्तेमाल करने लगते हैं, जो आपकी त्वचा को बर्बाद करने लगती हैं। फिर भले ही इन चीजों को अच्छा बताकर इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन डर्मेटोलॉजिस्ट स्किन केयर के इन प्रोडक्ट्स को यूज करने से मना करती हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको स्किन के ऐसे 4 प्रोडक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आप स्किन की बेहतरी के लिए करते हैं, लेकिन यह आपकी त्वचा को सिर्फ नुकसान पहुंचाते हैं।

फुट स्क्रबर

कई महिलाएं डेड स्किन सेल्स और काली स्किन वाली एड़ी को साफ करने के लिए फुट स्क्रबर का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन यह आपकी एड़ियों की हालत ज्यादा खराब कर सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप गर्म पानी में पैरों को भिगोकर सॉफ्ट तौलिए से पोछ लें। फिर पैरों में फुट क्रीम लगाएं। फुट स्क्रबर का इस्तेमाल करने से आपकी एड़ियां ज्यादा फट सकती हैं।

लूसा

अधिकतर घरों के बाथरूम में लूफा रखा होता है। जिसको नहाने के समय त्वचा को साफ करने के लिए यूज करते हैं। डर्मेटोलॉजिस्ट की मानें, तो यह हमारी स्किन के लिए बहुत नुकसानदेह होता है। इसकी जगह आप ।Þ। और ठÞ। वाले जेंटल एक्सफोलिएशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप बॉडी पर लूफा का इस्तेमाल करती हैं, तो यह आपके शरीर पर डार्क स्पॉट को ज्यादा खराब कर सकता हैं।

फेस क्लींजर

आजकल स्किन केयर से जुड़े कई टूल्स मार्केट में आ गए हैं। जिनमें से एक टूल्स फेस क्लींजर है। यह फेस को गहराई से साफ करने में मदद करता है। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि ऐसा कुछ नहीं है। अगर आप फेस क्लींजर से चेहरे को साफ करते हैं, तो इसका ब्रश आपकी त्वचा के लिए बहुत हार्ड होता है और स्किन को डैमेज कर सकता है। फेस क्लीन करने के लिए आपको हाथों का इस्तेमाल करना चाहिए। आप चाहें तो फेस क्लीन करने के लिए डबल क्लीनिंग कर सकते हैं। इसके अलावा फोम वाले फेस वॉश का भी यूज कर सकती हैं।

क्यूटिकल कटर या पुशर

बता दें कि क्यूटिकल कटर या पुशर का इस्तेमाल पहले सिर्फ पार्लर में किया जाता था, लेकिन अब लोग घर में भी इसका इस्तेमाल करने लगे हैं। हमारे नाखूनों की जड़ों पर जो स्किन होती है, उसको क्यूटिकल कहते हैं। इसलिए क्यूटिकल कटर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

घर पर बनाएं स्वादिष्ट सोया मोमोज, बेहद आसान है इसकी रेसिपी

शायद ही ऐसा कोई होगा जिसको फास्ट फूट खाना पसंद न हो। वहीं मोमोज का नाम सुनते ही लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। कुछ लोग तो बिना मोमोज खाए रह ही नहीं पाते हैं। मोमोज के साथ चटपटी चटनी खाने का अपना ही मजा होता है। न जाने कितने लोगों की यह फेवरेट डिश होती है। हालांकि जब बात डाइट की आती है, तो हमें फिर मोमोज कितने ही पसंद क्यों न हो इन्हें छोड़ना ही पड़ता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप मार्केट के मोमोज खाने की बजाय घर पर हेल्दी और स्वादिष्ट सोया मोमोज बनाकर खा सकते हैं।

सामग्री

सूजी– 200 ग्राम
सोयाबीन– 100 ग्राम
प्याज– 1 (बारीक कटी हुई)
लाल मिर्च पाउडर– आधा चम्मच
हरी मिर्च– 2 (बारीक कटी हुई)
अदरक– 1 इंच (बारीक कटा हुआ)
काली मिर्च पाउडर– आधा चम्मच
नमक– स्वादानुसार
जीरा– 1 चम्मच

सोया मोमोज की विधि

सबसे पहले सभी सामग्री को इकट्ठा कर लें। फिर एक बाउल में सूजी को छानकर उसे आटे की तरह गूंथ लें। आप चाहें तो इसमें तेल या घी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अब आटा को एक घंटे के लिए रख दें। इस दौरान सोयाबीन का मसाला तैयार करें और सोयाबीन को भिगोकर रख दें। अब सोयाबीन से पानी निचोड़कर मिक्सर ग्राइंडर में डालकर दरदरा पीस लें। फिर एक कड़ाही में तेल गर्म कर उसमें जीरा का तड़का लगाएं। तड़का लगाने के बाद अदरक, हरी मिर्च और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब इसमें सोयाबीन डालकर अच्छे से मिक्स करें और करीब 10 मिनट तक भूनें। इस तरह से मोमोज में भरने वाली सामग्री तैयार है। फिर जो आटा आपने गूंथकर रखा है, उसकी छोटी–छोटी लोई बनाकर तैयार कर लें। इसके बाद लोई को पतला–पतला बेल लें और इसमें तैयार की गई सामग्री को भरकर बंद कर दें। अब गैस पर पानी भरकर स्टिमर रखें और फिर इसमें मोमोज पकाएं। जब यह अच्छे से पक जाएं, तो इनको प्लेट में निकालकर लाल चटनी के साथ सर्व करें।

गर्दन और कंधे में दर्द सर्वाइकल पेन की ओर करते हैं इशारा, तुरंत आराम के लिए करें ये उपाय

सर्वाइकल पेन (गर्दन का दर्द) आजकल एक आम समस्या बन गई है। बहुत से लोग अपने दर्द को इग्नोर कर देते हैं, जो आगे चलकर मुश्किल खड़ी कर सकता है। सर्वाइकल का दर्द काफी परेशान करता है जो आमतौर पर खराब जीवनशैली, गलत बॉडी पॉश्चर और तनाव के कारण होती है। यह गर्दन के ऊपरी हिस्से, कंधों, और पीठ के ऊपरी भाग में दर्द का कारण बनता है। आइए जानते है क्या है सर्वाइकल पेन की पहचान और इसका घरेलू इलाज।

कैसा होता है सर्वाइकल पेन

सर्वाइकल पेन गर्दन और कंधों के आसपास होने वाला दर्द होता है, जो कभी–कभी सिर और पीठ तक फैल सकता है। इसमें दर्द गर्दन में अकड़न के साथ होता है, और कभी–कभी हिलाने–डुलाने पर दर्द बढ़ सकता है। यह दर्द हल्का या गंभीर हो सकता है और सिरदर्द, चक्कर आना, और हाथों में सुन्नता के साथ हो सकता है।

सर्वाइकल पेन के लक्षण

– गर्दन और कंधों में लगातार दर्द
– सिर को हिलाने में कठिनाई
– सिरदर्द, खासकर सिर के पिछले हिस्से में
– गर्दन और कंधों में अकड़न और मांसपेशियों में तनाव
– चक्कर आना या संतुलन में कमी
– हाथों में झुनझुनी या सुन्नपन
– कुछ मामलों में दर्द पीठ और निचले हिस्से तक भी फैल सकता है

सर्वाइकल पेन के कारण

गलत बॉडी पॉश्चरः कंप्यूटर पर लंबे समय तक बैठना, मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल, और सोते समय गर्दन को सही सपोर्ट न मिलना।

तनावः मानसिक तनाव मांसपेशियों में तनाव पैदा करता है, जिससे गर्दन और कंधों में दर्द हो सकता है।

इंजरीः अचानक झटका लगने या चोट के कारण गर्दन की हड्डियों या मांसपेशियों में समस्या हो सकती है।

बढ़ती उम्रः उम्र बढ़ने के साथ सर्वाइकल स्पोंडिलाइटिस जैसी समस्याएं होने लगती हैं, जिससे गर्दन की हड्डियों में बदलाव और दर्द होता है।

डिस्क डीजेनेरेशनः रीढ़ की हड्डियों के बीच स्थित डिस्क का घिस जाना या खराब हो जाना।

स्ट्रेस और थकानः लगातार मानसिक या शारीरिक तनाव से भी गर्दन में अकड़न और दर्द हो सकता है।

वजन बढ़नाः मोटापा भी सर्वाइकल पेन का कारण हो सकता है, क्योंकि यह गर्दन और पीठ पर अतिरिक्त भार डालता है।

सर्वाइकल पेन का घरेलू इलाज

गर्दन के लिए एक्सरसाइजः नियमित हल्के स्ट्रेचिंग और गर्दन घुमाने की एक्सरसाइज करें। इससे गर्दन के मांसपेशियों में लचीलापन आता है और दर्द से राहत मिलती है। गर्दन को धीरे–धीरे आगे–पीछे और दाए–बाए घुमाए। लेकिन ध्यान रखें कि इसे जोर से न करें, इससे चोट लग सकती है।

गर्म पानी की सिकाईः गर्दन की मांसपेशियों में खिंचाव और अकड़न को कम करने के लिए गर्म पानी की सिकाई करें। इससे रक्त संचार बेहतर होता है और दर्द में राहत मिलती है। दिन में 2–3 बार 10–15 मिनट तक गर्म तौलिया या हीटिंग पैड का उपयोग करें।

हल्दी वाला दूधः हल्दी में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो शरीर के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। रात में सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना फायदेमंद होता है।

नमक का पानीः अगर सर्वाइकल पेन बहुत अधिक हो, तो एप्सम सॉल्ट से स्नान करें। यह मांसपेशियों को आराम देने और दर्द को कम करने में मदद करता है।

तेल से मालिशः नारियल, तिल, या सरसों के तेल से हल्की मालिश करें। इससे मांसपेशियों में रक्त संचार बेहतर होता है और दर्द से राहत मिलती है।

अच्छी नींद और सपोर्टिव तकियाः सोते समय सही पॉश्चर और सपोर्टिव तकिया का उपयोग करें। गर्दन को सही सपोर्ट मिलना जरूरी है ताकि रीढ़ की हड्डी सीधी रहे।

इन बातों का रखें ख्याल

–बैठने और सोने का तरीका सही रखें। कंप्यूटर पर काम करते समय सही एर्गोनॉमिक्स का ध्यान रखें।

–गर्दन और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत और लचीला बनाए रखने के लिए नियमित रूप से एक्सरसाइज करें।

–योग और मेडिटेशन से तनाव को नियंत्रित रखें।

–काम करते समय हर 30–40 मिनट के बाद ब्रेक लें और थोड़ा टहलें।

नोटः सर्वाइकल पेन एक गंभीर समस्या बन सकती है, यदि इसे नजरअंदाज किया जाए। यदि दर्द ज्यादा समय तक बना रहे, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त

भारतीय रिजर्व बैंक का मास्टरस्ट्रोक! रेपो रेट में नो चेंज, अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार, 1 अक्टूबर 2025 को अपनी मौद्रिक नीति निर्णय की घोषणा की है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा घ्घ्की अध्यक्षता में वित्त वर्ष 26 के लिए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की चौथी द्विमासिक बैठक 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक आयोजित की गई थी और आज रेपो दर निर्णय की घोषणा की गई। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को मौजूदा घरेलू और वैश्विक परिस्थितियों पर गौर करते हुए प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीस) की सोमवार से शुरू तीन दिवसीय बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा, ''एमपीसी ने आम सहमति से रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय किया है।'' उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मौद्रिक नीति रुख को तटस्थ बनाये रखा गया है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। रेपो दर के यथावत रहने से आवास, वाहन समेत अन्य खुदरा कर्ज पर ब्याज में बदलाव होने की संभावना नहीं है। आरबीआई ने 2025–26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है जबकि पहले इसके 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। वहीं चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को घटाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया गया जबकि इसके पूर्व में 3.1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। यह लगातार दूसरी बार है, जब रेपो दर को यथावत रखा गया। इससे पहले, केंद्रीय बैंक इस साल फरवरी से जून तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। इस साल जून की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती की गयी थी। वहीं फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25–0.25 प्रतिशत की कमी की गयी थी।

आईसीआईसीआई बैंक को 216 करोड़ रुपये की जीएसटी मांग को लेकर नोटिस

निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने मंगलवार को कहा कि कर अधिकारियों ने जीएसटी के कथित कम भुगतान के लिए उसे 216.27 करोड़ रुपये का नोटिस दिया है। आईसीआईसीआई बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 29 सितंबर, 2025 को उसे महाराष्ट्र माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 73 के तहत मुंबई पूर्व आयुक्त कार्यालय के अतिरिक्त सीजीएसटी आयुक्त से एक कारण बताओ नोटिस (एससीएन) मिला। इस नोटिस में खातों में निर्दिष्ट न्यूनतम शेष राशि बनाए रखने वाले ग्राहकों को बैंक से मिलने वाली सेवाओं पर 216.27 करोड़ रुपये की कर मांग की गई है। बैंक ने कहा कि वह पूर्व में आदेशों/ कारण बताओ नोटिस में उठाए गए इसी तरह के मुद्दे को लेकर कानूनी प्रक्रिया (रिट याचिका समेत) में है, लेकिन बैंक पहले से इसी तरह के विवाद में है, लेकिन राशि बड़ी होने के कारण इसकी सूचना देना जरूरी है। आईसीआईसीआई बैंक ने कहा कि वह कारण बताओ नोटिस का निर्धारित समय में जवाब देगा।

सीएम चंद्रबाबू नायडू का आदेश: आंध्र प्रदेश में छोटे ठेकेदारों के 400 करोड़ बिल का होगा भुगतान

आंध्र प्रदेश सरकार ने 2014 से अब तक किए गए कार्यों के लिए ठेकेदारों के 400 करोड़ रुपये तक के लंबित बिल का भुगतान करने का फैसला किया है। एक सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने मंगलवार को बताया कि 2014 से 2019 के बीच पांच करोड़ रुपये से कम मूल्य का कार्य करने वाले ठेकेदारों को अब भुगतान मिलेगा, जिससे वर्षों से जारी वित्तीय अनिश्चितता खत्म हो जाएगी। सूत्र ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''आंध्र प्रदेश का वित्त विभाग छोटे ठेकेदारों के लंबित बिल का भुगतान कर रहा है, जिससे उन्हें वित्तीय राहत मिलेगी जिसकी उन्हें लंबे समय से प्रतीक्षा थी...।'' मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के आदेश के बाद यह निर्णय लिया गया, जिसके जरिए 400 करोड़ रुपये के लंबित बिल का भुगतान कर छोटे ठेकेदारों को लाभ दिया जाएगा। यह राहत विशेष रूप से उन ठेकेदारों को दी जा रही है जिन्होंने पांच लाख रुपये तक के कार्य किए हैं और जिनका 2014 से बकाया है। बिल की राशि कुछ दिनों में ठेकेदारों के खातों में जमा होने की उम्मीद है।

करीब 10 प्रतिशत परिवार ही करते हैं प्रतिभूति बाजार में निवेश: सेबी सर्वेक्षण

देश में केवल करीब 10 प्रतिशत परिवार ही प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं, जबकि 63 प्रतिशत परिवार कम–से–कम एक बाजार उत्पाद से अवगत हैं। बाजार नियामक सेबी के एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष सामने आया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के सर्वेक्षण के मुताबिक, शहरी क्षेत्रों में 15 प्रतिशत परिवार निवेश कर रहे हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा मात्र छह प्रतिशत है। राज्यों के मामले में दिल्ली 20.7 प्रतिशत निवेशक परिवारों के साथ शीर्ष पर है जबकि गुजरात के 15.4 प्रतिशत परिवार बाजार उत्पादों में निवेश करते हैं। प्रतिभूति ऐसा वित्तीय साधन है जो निवेशक को किसी कंपनी या सरकारी प्रारूप में पैसा लगाने और उस निवेश पर लाभ पाने का मौका देता है। इसमें शेयर, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड शामिल होते हैं। इस सर्वेक्षण में पाया गया कि केवल 36 प्रतिशत निवेशकों को ही प्रतिभूति बाजार का मध्यम स्तर का ज्ञान है। इस सर्वेक्षण का एक दिलचस्प पहलू यह है कि करीब 80 प्रतिशत परिवार पूंजी सुरक्षित रखने को ऊंचे रिटर्न से कहीं ज्यादा तरजीह देते हैं। जोखिम से बचने वाला यह रुझान जेन–जेड परिवारों में भी 79 प्रतिशत तक देखा गया। सेबी ने कहा कि जटिल निवेश उत्पाद, पर्याप्त जानकारी की कमी, भरोसे का अभाव और नुकसान होने का डर परिवारों को बाजार में व्यापक भागीदारी की राह में प्रमुख बाधा हैं। सर्वेक्षण में 90,000 से अधिक परिवारों को शामिल किया गया जो 400 शहरों और 1,000 गांवों से ताल्लुक रखते हैं।

न्यूजीलैंड से सीखने की कोशिश कर रहे हैं, भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले बोले विंडीज कप्तान

अहमदाबाद। वेस्टइंडीज की टीम टेस्ट प्रारूप में अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन करने में नाकाम रही है लेकिन उसके कप्तान रोस्टन चेज ने गुरुवार से शुरू हो रहे पहले टेस्ट से पूर्व कहा कि उनकी टीम वह दोहराने की कोशिश करेगी जो न्यूजीलैंड ने पिछले सत्र में भारत पर दबदबा बनाने के लिए किया था। न्यूजीलैंड पिछले साल भारत को 3–0 से हराकर मेजबान टीम को उसकी सरजमीं पर 12 साल में हराने वाली पहली टीम बनी थी। इसके साथ ही भारत का घरेलू सरजमीं पर लगातार 18 सीरीज में अजेय रहने का क्रम भी टूट गया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वेस्टइंडीज के ट्रेनिंग सत्र से पूर्व चेज ने संवाददाताओं से कहा, श्बेशक हम अपने टेस्ट दर्जे को लेकर अभी काफी अच्छी स्थिति में नहीं हैं और (विश्व टेस्ट चौंपियनशिप) तालिका में हम नीचे हैं लेकिन हमें उसे पीछे छोड़ना होगा। उन्होंने कहा, श्यूजीलैंड टीम पिछले साल आई और भारत पर दबदबा बनाया इसलिए उन्होंने जो किया हम उससे सीखने का प्रयास कर रहे हैं और उन चीजों को दोहराने का प्रयास करेंगे जिससे कि हम कुछ अच्छा क्रिकेट खेल सकें और प्रतिस्पर्धा करते हुए सीरीज जीतने का प्रयास कर सकें। चेज ने कहा, विश्लेषक ने न्यूजीलैंड सीरीज की फुटेज भेजी है और हमने अहम बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया है। मैं पहले भी भारत में खेल चुका हूं और मुझे पता है कि स्पिन के अनुकूल हालात होंगे। पूरी संभावना है कि स्पिनरों को अधिक ओवर गेंदबाजी करनी पड़े और हम इस पर काम कर रहे हैं।श हाल में वेस्टइंडीज के कप्तान बने 33 साल के चेज ने कहा कि उनकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 0–3 की हार को पीछे छोड़ना होगा। इस सीरीज के दौरान वेस्टइंडीज की टीम अपने न्यूनतम स्कोर 27 रन पर सिमट गई थी। उन्होंने कहा, यह नई सीरीज है, यह नया दिन है। जो हो चुका है उसे हमें पीछे छोड़ना होगा और इस मानसिकता के साथ जाना होगा कि हम दबदबा बनाना चाहते हैं, हम जीत दर्ज करना चाहते हैं और मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं। भगवान से मार्गदर्शन लें और टीम के रूप में एकजुट होकर खेलें। चेज ने कहा, हम भारत की सरजमीं पर हैं। हमें काफी समर्थन नहीं मिलेगा इसलिए हमें एक इकाई के रूप में एकजुट होना होगा। कोचिंग स्टाफ, खिलाड़ियों, प्रबंधन, हम सभी को मुश्किल समय में एक–दूसरे का समर्थन करना होगा और अच्छे समय में भी। चेज ने कहा कि वेस्टइंडीज की टीम दो मैच की सीरीज में कमजोर टीम के रूप में उतरेगी और उसके पास गंवाने के लिए कुछ नहीं है। वेस्टइंडीज के कप्तान ने कहा, श्हम कमजोर टीम के रूप में आए हैं। हमारे पास गंवाने के लिए कुछ नहीं है। मुझे लगता है कि यह हमें काफी खतरनाक टीम बनाता है, जब आपके पास गंवाने के लिए कुछ नहीं होता।श उन्होंने कहा, मैदान पर उतरो और स्वतंत्र होकर खेलो क्योंकि सभी को हमारे हारने की उम्मीद है इसलिए हम मैदान पर उतरकर अच्छा क्रिकेट खेल सकते हैं। चेज ने कहा कि वेस्टइंडीज ने दौरे के लिए कोई विशेष तैयारी नहीं की है लेकिन उन्हें अपने खिलाड़ियों पर भरोसा है। उन्होंने कहा, श्सभी को अपने खेल के बारे में पता है और साथ ही पता है कि उनसे क्या अपेक्षएं हैं। भारत में मुख्य रूप से स्पिन को मदद मिलती है लेकिन कल मैंने पिच देखी थी और यह थोड़ी हरी नजर आ रही थी इसलिए अब तक हमें नहीं पता कि यह कैसी होगी। चेस ने कहा कि उन्हें पदार्पण का इंतजार कर रहे स्पिनर खैरी पियरे से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, श्वह काफी परिपक्व खिलाड़ी है। वह काफी क्रिकेट खेला है, विशेषकर सफेद गेंद का क्रिकेट लेकिन वह ऐसा खिलाड़ी है जो खेल के किसी भी प्रारूप से सामंजस्य बैठा सकता है। चेस ने कहा, चार दिवसीय (क्रिकेट) सत्र उसके लिए अच्छा रहा, लाल गेंद का सत्र। उसने सबसे अधिक विकेट चटकाए इसलिए वह यहां हैं। उम्मीद करते हैं अगर कल उसे खेलने का मौका मिलेगा तो वह तुरंत प्रभाव छोड़ेगा।

अभिषेक शर्मा सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ शीर्ष पर बरकरार, वरुण चक्रवर्ती का भी दबदबा कायम

नई दिल्ली। तेजी से उभरते हुए भारत के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में इतिहास के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की जबकि वरुण चक्रवर्ती भी गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के सैम अयूब हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पांड्या को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गए।

अभिषेक ने तोड़ा पांच साल पुराना रिकॉर्ड

हाल ही में संपन्न एशिया कप में भारत की खिताबी जीत के बाद अभिषेक ने इतिहास के सर्वश्रेष्ठ 931 अंक के साथ लगभग पांच साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। आईसीसी ने बताया कि 25 साल के अभिषेक ने 2020 में बनाए इंग्लैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाज डेविड मलान के 919 रेटिंग अंक के रिकॉर्ड को तोड़ा। एशिया कप के दौरान 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने अभिषेक ने टीम के अपने साथियों सूर्यकुमार यादव (912) और विराट कोहली (909) के पिछले सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक को भी पीछे छोड़ा।

तिलक तीसरे स्थान पर : पिछले साल अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले अभिषेक ने एशिया कप के सात मैच में 44.85 के औसत से 314 रन बनाए। अभिषेक दूसरे स्थान पर चल रहे इंग्लैंड के फिल सॉल्ट से 82 रेटिंग अंक आगे हैं। टीम इंडिया के उनके साथी तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। वर्मा ने एशिया कप में 213 रन बनाए। श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज पथुम निसांका एशिया कप में 261 रन की बदौलत दो स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए। टीम के उनके साथी कुसाल परेरा (दो स्थान के फायदे से नौवें), पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (11 स्थान के फायदे से 13वें पायदान पर) और भारत के संजू सैमसन (आठ स्थान के फायदे से 31वें पायदान पर) की रैंकिंग में भी एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन के बाद सुधार हुआ है।

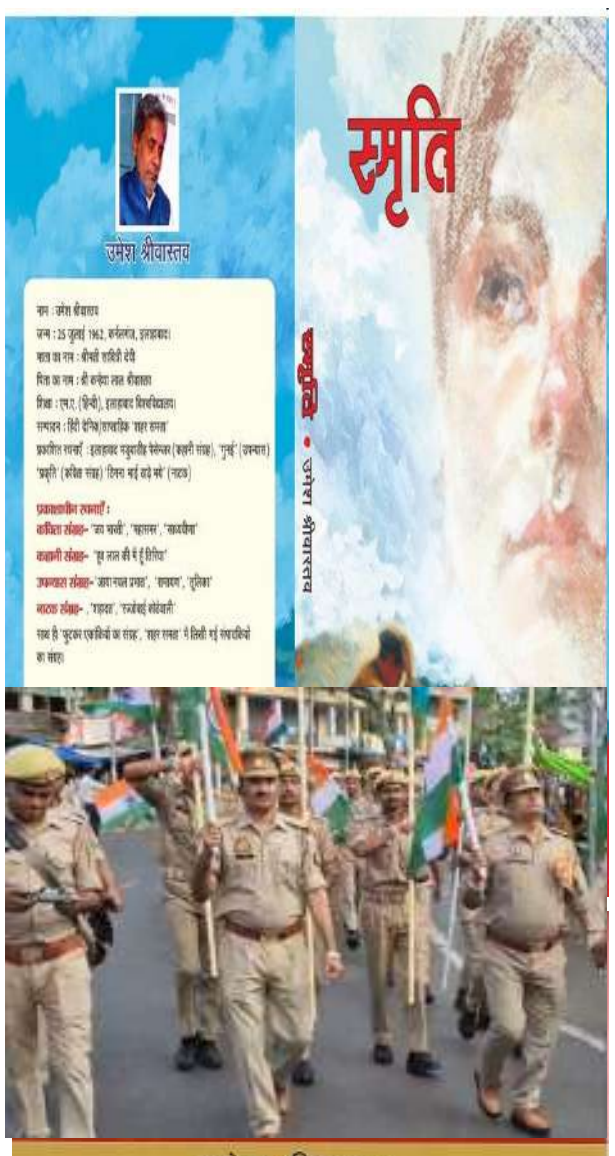

उमेश श्रीवास्तव

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

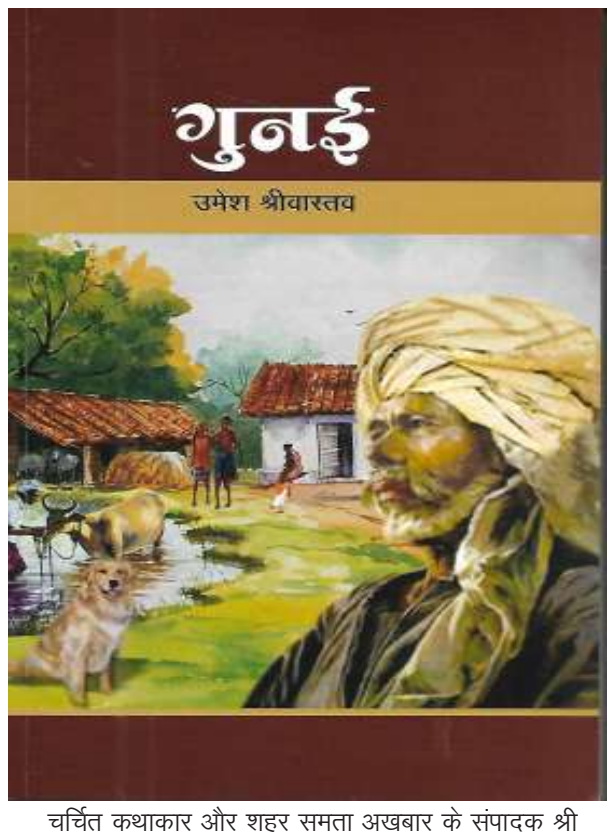

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

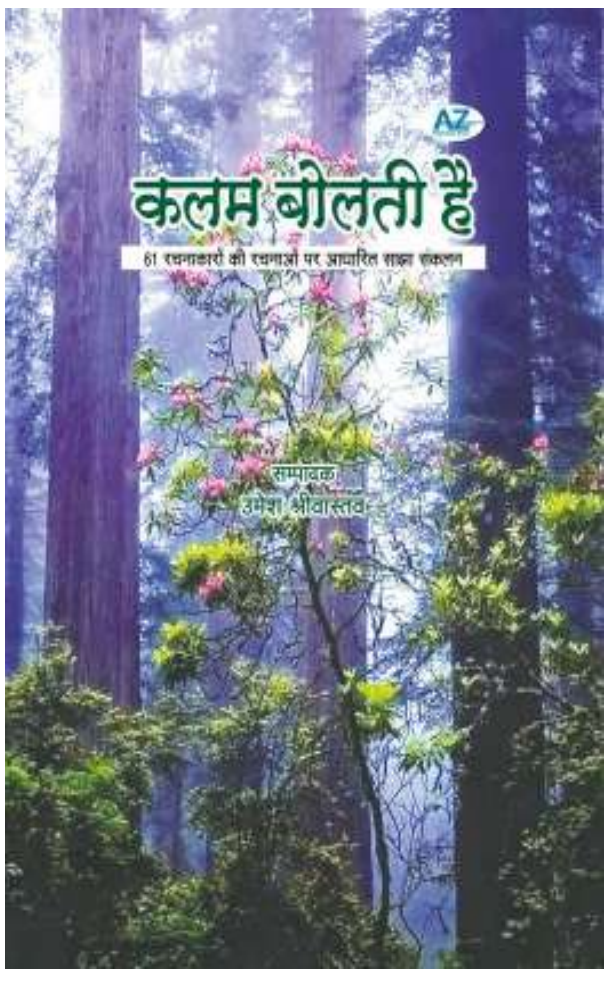

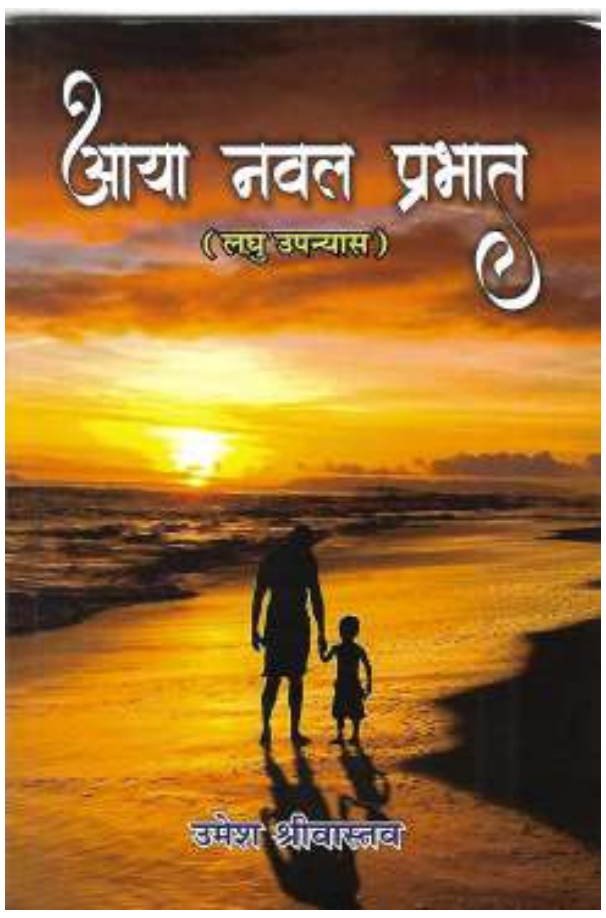

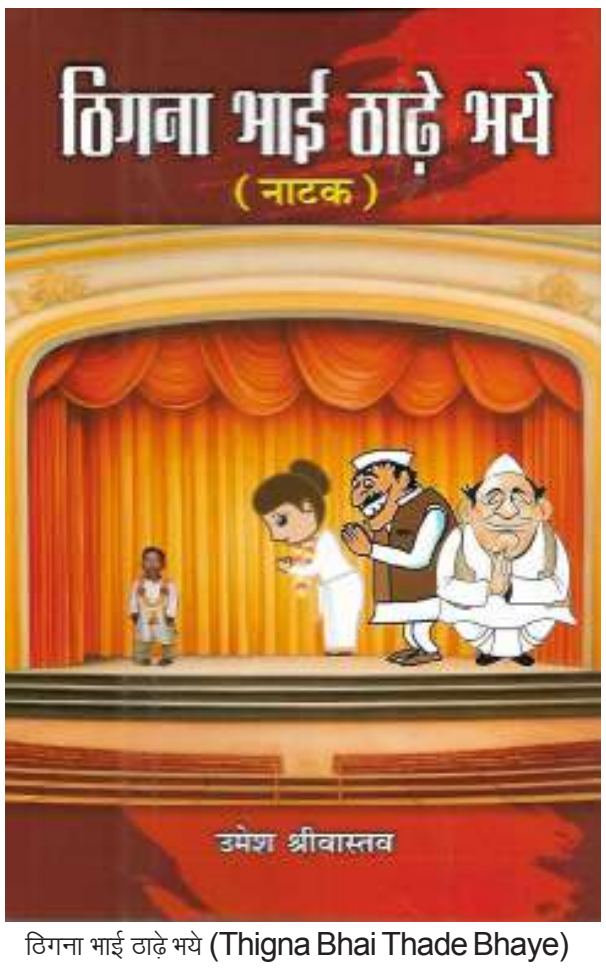

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

एच1बी वीज़ा का दांव ट्रंप को उल्टा पड़ गया, अमेरिकी कंपनियों ने की भारत में शिफ्ट होने की तैयारी

मुंह में राम बगल में छुरी कहावत तो आपने जरूर सुनी होगी। जिसका मतलब है कि कुछ लोग आपके सामने मीठी बातें करते हैं और दिखावा करते हैं कि वे आपके हितैषी हैं, लेकिन असल में वे पीठ पीछे आपका नुकसान पहुँचाना चाहते हैं या आपके प्रति शत्रुता रखते हैं। बिल्कुल ऐसा ही अमेरिका में हुआ। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच1बी वीजा फीस में भारी बढ़ोतरी करके सोचा कि अमेरिकियों की नौकरियां बचा लेंगे। लेकिन इस चाल ने उल्टा कंपनियों को भारत की ओर ढकेल दिया। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक

कार्यकारी आदेश पर साइन किया। इसके तहत एच1बी वीजा की फीस अचानक एक लाख डॉलर कर दी गई। यानी की 88 लाख रूपए, जबकि पहले ये फीस 1500 से 4000 डॉलर यानी 2 से 4 लाख हुआ करती थी। लेकिन अब ये सीधे बढ़ाकर करीब 88 लाख रुपए हो गई है। ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि विदेशी लोग अमेरिकियों की नौकरियां खा रहे हैं। इस अचानक हुए बदलाव ने इंडस्ट्री में अफरा तफरी मचा दी। शुरुआत में कंपनियों को लगा कि उनके मौजूदा कर्मचारी भी प्रभावित होंगे और उन्होंने अपने लोगों को तुरंत अमेरिका में रुकने की सलाह दी। बाद में साफ हुआ कि ये नियम सिर्फ नए वीजा आवेदन पर लागू होंगे। अब सवाल ये है कि इन फैसलों का सबसे ज्यादा असर भारतीयों पर क्यों पड़ा? दरअसल, भारत लंबे समय से एच1बी वीजा का लाभ लेने वाला देश रहा है, विशेषरूप से आईटी और टेक्नोलॉजी पेशेवरों के लिए। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर और शोधकर्ता एच1बी वीजा से अमेरिका जाते हैं। अगर नियम सख्त किए गए या रोक लगाई गई तो इसका सीधा असर भारत के आईटी सेक्टर या भारतीय टैलेंट पर पड़ेगा। लेकिन इस फैसले के बाद भारत का नुकसान कम और भारतीयों का फायदा ज्यादा निकल कर सामने आया। असली खेल यहीं शुरू हुआ। जब विदेशी कंपनियों ने देखा कि अमेरिका में विदेशी टैलेंट को बुलाना बेहद महंगा और पेंचीदा हो गया तो उन्होंने सोचना शुरू किया कि क्यों न काम को वहीं शिफ्ट कर दिया जाए जहां से टैलेंट आता है। इसमें भारत का नाम आता है। अमेरिका की दिग्गज कंपनियां अभ ऑप सोरिंग ऑपरेशन यानी विदेशी परिचालन को भारत शिफ्ट कर रही हैं। भारत पहले से ही ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर यानी जीसीसी का हब है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग विस्फोटों में नौ लोगों की मौत

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को दो अलग-अलग बम विस्फोटों में चार आतंकवादियों समेत नौ लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, दोनों घटनाएं प्रांत के दक्षिणी वजीरिस्तान जिले में हुईं, जो अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। पहली घटना अशांगी लगद गांव में हुई, जहां सड़क पर पड़ी एक बम जैसी वस्तु में विस्फोट से पांच ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई। विस्फोट से इलाके में दहशत फैल गई और निवासियों ने अधिकारियों से क्षेत्र से बिना फटे बमों को हटाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास तेज करने का आग्रह किया। सुरक्षाकर्मी और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। वाना के वाचा खवोरा इलाके में एक अन्य घटना में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगाने की कोशिश में हुए विस्फोट में चार आतंकवादी मारे गए। मृतकों में एक स्थानीय आतंकवादी कमांडर यार मुहम्मद मुस्लिम, अशांगी जनजाति का जमीद आलम और उसके दो अज्ञात साथी शामिल हैं।

41 मौतों के बाद विजय ने स्टालिन पर बदले का आरोप लगाया, रैलियां स्थगित

तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने तमिलनाडु के करूर में अपनी रैली के दौरान 41 लोगों की मौत के बाद अपना राज्यव्यापी दौरा अस्थायी रूप से स्थगितष कर दिया। अभिनेता-राजनेता विजय ने अगले दो हफ़्तों में इन कार्यक्रमों की योजना बनाई थी। हम अपने 41 साथियों की मृत्यु पर दुःख और शोक में हैं। इस स्थिति में, हमारे नेता (विजय) के अगले दो सप्ताह के जनता से मिलने के कार्यक्रम अस्थायी रूप से स्थगित किए जा रहे हैं। इनके संशोधित विवरण बाद में घोषित किए जाएँगे। विजय ने शनिवार को लोगों से मिलिए अभियान शुरू किया और अब तक तिरुचिरापल्ली, नमक्कल और करूर का दौरा कर चुके हैं। 27 सितंबर को करूर में उनके एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मच गई, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई और 60 से ज़्यादा घायल हो गए। इस घटना के बाद विजय और सत्तारूढ़ डीएमके पार्टी के बीच टकराव शुरू हो गया है। विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर उनसे बदला लेने का आरोप लगाया और वादा किया कि इस घटना के पीछे की सच्चाई सामने आएगी। एक वीडियो संदेश में, विजय ने सरकार को चेतावनी दी कि चाहे सरकार उनके खिलाफ व्यक्तिगत रूप से कोई भी कार्रवाई क्यों न करे, उनकी पार्टी के सदस्यों को निशाना न बनाया जाए। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने एक प्रेस वार्ता आयोजित की, जिसमें भगदड़ से पहले और उसके दौरान की घटनाओं के वीडियो और विवरण प्रस्तुत किए गए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

इंडोनेशिया में नमाज़ के वक्त ढहा इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल, 91 छात्र मलबे में दबे होने की आशंका, कई बच्चों के शव निकाले गये

इंडोनेशिया में एक इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल के ढहने के एक दिन बाद, जहाँ तीन लोगों की मौत हो चुकी है, माता-पिता और बचाव दल दर्जनों किशोर लड़कों की बेसब्री से तलाश कर रहे हैं, जिनके फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि अल खोज़िनी स्कूल की इमारत ढहने के बाद 91 लोग लापता बताए जा रहे हैं। उस समय छात्र निर्माणाधीन इमारत की निचली मंजिल पर स्थित एक मस्जिद में देर दोपहर की नमाज़ पढ़ रहे थे। यह बोर्डिंग स्कूल पूर्वी जावा के सिदोअर्जो शहर में स्थित है, जो जकार्ता से लगभग 780 किलोमीटर (480 मील) पूर्व में है। मंगलवार देर शाम तक, तीन शव बरामद कर लिए गए थे, जबकि लापता बच्चे अभी भी कंक्रीट के विशाल स्लैब के नीचे फंसे हुए थे। स्कूल में 99 बच्चों और कर्मचारियों का पता लगा लिया गया है। स्थानीय बचाव एजेंसी के प्रमुख, नानंग सिगिट ने संवाददाताओं को बताया कि बचाव दल ने मलबे के नीचे जीवन के संकेत पाए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 300 से अधिक बचावकर्मी बुधवार सुबह भी मलबे में दबे लोगों को निकालने में जुटे रहे। अधिकारियों ने बताया कि सिदोअर्जो के ईस्ट जावा कस्बे में इस्लामिक स्कूल 'अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल' की इमारत ढहने की सूचना मिलने के बाद बचावकर्मी, पुलिस एवं सैन्यकर्मी पिछले दो दिन से राहत एवं बचावकार्य में जुटे हैं। स्कूल की इमारत करीब 100 साल पुरानी थी और उसमें अनधिकृत निर्माण कार्य हो रहा था। इमारत उस वक्त ढह गई जब बोर्डिंग स्कूल के एक कक्ष में छात्र दोपहर की नमाज अदा कर रहे थे। हादसे का शिकार हुए लोगों में ज्यादातर किशोर छात्र थे। कम से कम तीन छात्रों की मौत की पुष्टि हुई है और 100 अन्य घायल हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने मंगलवार देर रात मलबे में दबे लोगों की संख्या 38 से संशोधित कर 91 कर दी। बीएनबीपी प्रवक्ता अब्दुल मुहरी के अनुसार, स्कूल की चौथी मंजिल पर नए निर्माण कार्य का भार उसके नींव के खंभों के द्वारा सहन न कर पाने के कारण इमारत ढह गई। उन्होंने कड़े सुरक्षा मानकों की माँग की और जनता तथा भवन प्रबंधकों से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए निर्माण प्रक्रियाओं की अधिक सावधानीपूर्वक निगरानी करने का आग्रह किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में एक स्कूल अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि निर्माण कार्य पिछले नौ महीनों से चल रहा था। ढीले निर्माण मानकों ने इंडोनेशिया में भवन सुरक्षा को लेकर व्यापक चिंताएँ पैदा कर दी हैं, जहाँ संरचनाओं दृ विशेष रूप से घरों दृ को अधूरा छोड़ देना आम बात है, जिससे मालिकों को बाद में अपने बजट की अनुमति मिलने पर अतिरिक्त मंजिलें बनाने की अनुमति मिल जाती है। इस महीने की शुरुआत में, पश्चिम जावा में एक प्रार्थना सभा आयोजित करने वाली इमारत के ढह जाने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। 2018 में, जकार्ता के पूर्व में सिरेबोन में एक संगीत कार्यक्रम की रिहर्सल कर रहे सात किशोरों की उस इमारत के ढह जाने से मौत हो गई जिसमें वे थे। उसी वर्ष, जकार्ता में इंडोनेशिया के स्टॉक एक्सचेंज भवन की मेजेनाइन मंजिल के लॉबी में गिरने से कम से कम 75 लोग घायल हो गए थे।

मुझे नोबेल पुरस्कार न मिला तो ये अमेरिका की बेइज्जती होगी, ट्रंप का चौंकाने वाला बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि नोबेल समिति नोबेल शांति पुरस्कार किसी ऐसे व्यक्ति को देगी जिसने कुछ नहीं किया और युद्ध समाप्त करने के उनके प्रयासों के बावजूद उन्हें नज़रअंदाज़ करेगी। ट्रंप का दावा है कि उन्होंने आठ युद्ध समाप्त किए हैं, जिनमें इज़राइल और हमास के बीच युद्ध सबसे ताज़ा है, जबकि बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली इज़राइली सरकार या हमास में से किसी ने भी उनकी 20-सूत्रीय शांति योजना पर सहमति नहीं जताई है। अमेरिकी सेना के शीर्ष अधिकारियों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, अगर यह कारगर रहा, तो हम आठ महीनों में आठ (युद्ध) हल कर लेंगे। यह बहुत अच्छी बात है। ऐसा पहले कभी किसी ने नहीं किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने सात वैश्विक संघर्षों को खत्म कराने में भूमिका निभाई है, इसके बावजूद अगर नोबेल पुरस्कार उन्हें नहीं दिया जाता है तो यह अमेरिका के लिए ''बड़े अपमान की बात'' होगी। गाजा संघर्ष को समाप्त कराने की योजना का जिक्र करते हुए ट्रंप ने मंगलवार को क्वांटिको में सैन्य अधिकारियों को अपने संबोधन में कहा, ''मुझे लगता है, हमने इसे सुलझा लिया है। अब, हमास को सहमत होना होगा और अगर वे नहीं मानते, तो उनके लिए बहुत मुश्किल होगा। सभी अरब, मुस्लिम राष्ट्र इससे सहमत हैं। इजराइल सहमत है। यह एक अद्भुत बात है कि सभी साथ आ गए हैं।'' ट्रंप ने कहा कि अगर सोमवार को घोषित गाजा संघर्ष को समाप्त कराने की उनकी योजना कामयाब हो जाती है तो उन्होंने कुछ ही महीनों में आठ संघर्षों को सुलझा लिया है। ट्रंप ने कहा, ''यह शानदार है। कोई ऐसा कभी नहीं कर पाया। फिर भी, 'क्या आपको नोबेल पुरस्कार मिलेगा?' बिल्कुल नहीं। वे इसे किसी ऐसे व्यक्ति को देंगे जिसने कुछ भी नहीं किया। वे इसे ऐसे व्यक्ति को देंगे जिसने डोनाल्ड ट्रंप के विचारों और युद्ध को सुलझाने के लिए क्या किया गया, इस पर कोई किताब लिखी है... जी हां, नोबेल पुरस्कार किसी लेखक को मिलेगा। लेकिन देखते हैं क्या होता है।'' उन्होंने कहा, ''यह हमारे देश के लिए बड़े अपमान की बात होगी। मैं आपको बता दूं कि मैं ऐसा नहीं चाहता। मैं चाहता हूं कि यह देश को मिले। यह सम्मान देश को मिलना ही चाहिए क्योंकि ऐसा कुछ पहले कभी नहीं हुआ। इस बारे में सोचिएगा जरूर। मुझे लगता है कि यह (गाजा संघर्ष को समाप्त करने की योजना) सफल होगा। मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा, क्योंकि मैं समझौतों के बारे में किसी से भी ज्यादा जानता हूं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन, आठ समझौते करना वाकई सम्मान की बात है।

फिलीपींस में धरती ने उगला कहर! भीषण भूकंप से 31 मौतें

कई इमारतें जमींदोज- सैकड़ों के दबे होने की आशंका

फिलीपींस में 6.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के कारण 31 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कई इमारतें और घर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे स्थानीय निवासी घरों से बाहर निकलकर अंधेरे में डूब गए क्योंकि तेज़ झटकों के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। यह भूकंप इस साल देश की सबसे विनाशकारी आपदाओं में से एक है। मंगलवार रात 10 बजे (1400 GMT) से ठीक पहले फिलीपींस के मध्य विसाय क्षेत्र के सेबू शहर के तट पर आए भूकंप के कारण क्षेत्र में बिजली गुल हो गई और इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। आपदा शमन अधिकारी रेक्स यगोट ने एसोसिएटेड प्रेस को टेलीफोन पर बताया कि भूकंप का केंद्र, जो एक स्थानीय फॉल्ट के कारण आया था, सेबू प्रांत के लगभग 90,000 की आबादी वाले तटीय शहर बोगो से लगभग 17 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था, जहाँ कम से कम 14 निवासियों की मौत हो गई। बोगो में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि भूस्खलन और चट्टानों से प्रभावित एक पहाड़ी गाँव में झुग्गियों के समूह में खोज और बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए श्रमिक एक बैकहो ले जाने की कोशिश कर रहे थे। एक अन्य आपदा-शमन अधिकारी ग्लेन उर्सल ने एपी को बताया, ष्इस इलाके में आना-जाना मुश्किल है क्योंकि यहाँ ख़तरे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कुछ जीवित बचे लोगों को अस्पताल ले जाया गया है।

सैन रेमिगियो कस्बे में छह लोगों की मौत

बोगो के दक्षिण में स्थित सैन रेमिगियो कस्बे में अलग-अलग छह लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन तटरक्षक बल के जवान, एक अग्निशमन कर्मी और एक बच्चा शामिल हैं। कस्बे के उप-महापौर अल्फी रेन्स ने डीज़ेडएमएम रेडियो नेटवर्क को बताया कि पीड़ितों की मौत कैसे हुई, यह बताए बिना। रेन्स ने भोजन और पानी की अपील करते हुए कहा कि भूकंप से सैन रेमिगियो की जल व्यवस्था क्षतिग्रस्त हो गई है। भूकंप के केंद्र के पास स्थित रिसॉर्ट कस्बे बंटायन के 25 वर्षीय निवासी मार्थम पैकिलन ने बताया कि वह एक चर्च के पास कस्बे के चौक पर थे, जो भूकंप से क्षतिग्रस्त हो गया था।

अमेरिका में सात साल बाद क्यों बंद हुआ सरकार का कामकाज, 20 लाख कर्मचारियों की सैलरी बंद

अमेरिका में लगभग 7 सालों में पहली बार सरकार ठप्प होने की कगार पर है। अमेरिका में शटडाउन हो गया है। पिछले कुछ दिनों से आप सुन रहे होंगे की वहां की कांग्रेस है वो बिल पास नहीं कर पा रही है। रिपब्लिकन सांसदों ने 21 नवंबर तक सरकार को अल्पकालिक तौर पर फंड करने के लिए विधेयक पेश किया था, लेकिन वह भी पारित नहीं हो सका। फंडिंग बिल पर मतदान हुआ, जो 55-45 के अंतर से पारित नहीं हो सका। सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी को विधेयक पारित कराने के लिए कम से कम 60 मतों की जरूरत थी।

कट्टरपंथी वामपंथ को ज़िम्मेदार ठहराया

अमेरिकी आवास एवं शहरी विकास विभाग सरकार के बंद होने के लिए कट्टरपंथी वामपंथ को ज़िम्मेदार ठहरा रहा है – एक ऐसा कदम जिसे अवैध ठहराया जा सकता है। कट्टरपंथी वामपंथी सरकार को बंद कर देंगे और अमेरिकी लोगों को भारी कष्ट देंगे, जब तक कि उनकी 1.5 ट्रिलियन डॉलर की माँगें पूरी नहीं हो जातीं। ट्रम्प प्रशासन सरकार को अमेरिकी लोगों के लिए खुला रखना चाहता है,ष मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर जोड़े गए एक नए बैनर में लिखा है। यही टेक्स्ट पहली बार साइट पर आने पर एक पॉप-अप के रूप में भी दिखाई देता है। सीबीएस न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता वकालत समूह पब्लिक सिटीजन ने बैनर और पॉप-अप अलर्ट को हटाने के लिए पहले ही मुकदमा दायर कर दिया है, यह तर्क देते हुए कि ये संघीय कर्मचारियों की राजनीतिक गतिविधियों को प्रतिबंधित करने वाले 1939 के संघीय कानून का उल्लंघन करते हैं।

सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू

पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन सहित डेमोक्रेट और रिपब्लिकन, सीनेट में गतिरोध के लिए सोशल मीडिया पर एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। डेमोक्रेट्स ने स्वास्थ्य सेवा में रिपब्लिकन द्वारा की गई कटौती के प्रभाव पर ज़ोर दिया है, जबकि रिपब्लिकन, सरकारी सेवाओं में बंदी और देरी के लिए डेमोक्रेट्स को ज़िम्मेदार ठहरा रहे हैं।

शटडाउन की लागत कितनी होगी?

कांग्रेस के बजट कार्यालय (सीबीओ) ने कहा है कि इस शटडाउन से अमेरिकी सरकार को फ़र्लो वेतन के रूप में प्रतिदिन लगभग 400 मिलियन डॉलर का नुकसान होगा। कार्यालय का अनुमान है कि लगभग 7,50,000 कर्मचारियों को फ़र्लो पर रखा जाएगा, हालाँकि यह संख्या इस बात पर निर्भर करेगी कि शटडाउन कितने समय तक चलता है। शटडाउन समाप्त होने के बाद उन्हें पिछला वेतन मिलेगा। हालाँकि, कांग्रेस के सदस्यों को पूरे कार्यकाल के दौरान वेतन मिलता रहेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।